जौनसार बावर महोत्सव में.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों... 11

वर्ष - 02, अंक - 66 | गाजियाबाद / मंगलवार 09 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में भीषण हादसा

पिघले लोहे की चपेट में आकर 8 श्रमिकों की मौत

▶▶ 1600 डिग्री तापमान वाली धातु का रिसाव, कई मजदूर झुलसे, राहत-बचाव कार्य जारी

▶▶ पीएम मोदी और सीएम नायडू ने जताया शोक, हादसे के कारणों की जांच के आदेश

विशाखापत्तनम, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में सोमवार को हुए भीषण औद्योगिक हादसे में आठ श्रमिकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा प्लांट के एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट फैसिलिटी यूनिट में उस समय हुआ, जब क्रेन के जरिए ले जाए जा रहे पिघले हुए लोहे से भरे लैडल (बाल्टी) से अचानक अत्यधिक गर्म धातु नीचे गिर गई। देखते ही देखते पूरा क्षेत्र आग और धुएं से भर गया और वहां काम कर रहे मजदूर इसकी चपेट में आ गए। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के समय पिघले हुए लोहे का तापमान करीब 1600 डिग्री सेल्सियस था। इतनी अधिक गर्म धातु सीधे श्रमिकों पर गिरने से कई मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम तक आठ मृतकों में से छह के शव स्टील प्लांट के सामान्य अस्पताल पहुंचाए जा चुके थे, जबकि अन्य की तलाश और राहत कार्य जारी था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धातु के रिसाव के बाद यूनिट में आग लग गई और कुछ कर्मचारी अंदर फंस गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और आपदा राहत दल मौके पर पहुंचे तथा आग बुझाने और फंसे हुए कर्मचारियों को निकालने का अभियान शुरू किया। हालांकि देर शाम तक घायल और लापता कर्मचारियों की सटीक संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के

परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी घटना पर शोक व्यक्त करते हुए सभी संबंधित विभागों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य की गृह मंत्री वंगलापुडी अनिता ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी लेकर मौके पर पहुंचने का निर्णय लिया। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के बेहतर उपचार और राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा क्रेन के जरिए ले जाए जा रहे पिघले लोहे से भरे लैडल में तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में चूक के कारण हुआ हो सकता है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

गौरतलब है कि विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में इससे पहले भी कई गंभीर हादसे हो चुके हैं। वर्ष 2020 में एसएमएस-2 यूनिट में 100 टन गर्म धातु ले जा रहे लैडल का हुक टूटकर गिर गया था, जबकि टरबाइन ऑयल रिसाव से आग लगने की घटना में भी कई लोग प्रभावित हुए थे। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने एक बार फिर देश के बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों और श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेजस मार्क-1ए एयरक्राफ्ट की डिलीवरी में देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना में फाइटर स्क्वॉड्रनों की कमी को पूरा करने के लिए एचएएल के साथ कुल 180 एलसीए तेजस मार्क-1ए विमानों का करार किया गया था, लेकिन अब तक एक भी विमान की डिलीवरी नहीं हो पाई है। एचएएल लगातार कई बार तय समय-सीमा चूक चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, इसी महीने जून में रडार के प्रदर्शन और कुछ अन्य तकनीकी मुद्दों को दुरुस्त करने के बाद एचएएल भारतीय वायुसेना के समक्ष रिव्यू मीटिंग के लिए आ सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी समय-समय पर एचएएल की परियोजनाओं की समीक्षा करते रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को भी एचएएल के प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की गई। रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई इस समीक्षा बैठक में रक्षा सचिव, सीडीएस, भारतीय वायुसेना प्रमुख, सीएमडी एचएएल और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एयरक्राफ्ट की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी को लेकर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह कई बार सार्वजनिक रूप से नाराजगी जता चुके हैं। अब रक्षा मंत्रालय इस देरी के लिए एचएएल पर पेनल्टी लगाने की तैयारी कर रहा है। रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। इसी प्रकार, इंजन की डिलीवरी में देरी को लेकर एचएएल भी अमेरिकी कंपनी जीई पर पेनल्टी लगाने की बात कह चुकी है। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने उम्मीद जताई है कि इस वर्ष तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी शुरू हो सकती है। एचएएल के पास फिलहाल छह इंजन उपलब्ध हैं और करीब 18 विमानों के स्ट्रक्चर तैयार हैं। वर्ष के अंत तक लगभग 24 विमान तैयार होने की उम्मीद है। हालांकि, भारतीय वायुसेना को अब तक एक भी तेजस मार्क-1ए विमान नहीं मिला है। तेजस मार्क-1ए कार्यक्रम को लेकर इसी महीने एक रिव्यू मीटिंग प्रस्तावित है। इससे पहले यह बैठक मई में होनी थी, लेकिन उसे स्थगित कर दिया गया था। एचएएल के नए सीएमडी रवी कोटा ने वायुसेना प्रमुख से मुलाकात भी की थी।

भारत की टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत

चंडीगढ़। भारतीय क्रिकेट टीम ने सोमवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए टेस्ट मैच में अफगानिस्तान की टीम को पारी और 300 रन से हरा दिया। दरअसल, भारत ने पहले अपनी पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित कर दी थी। इस स्कोर के जवाब में अफगानिस्तान की दोनों पारियाँ क्रमशः 152 और 112 रन पर ही सिमट गईं। यह टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत की सबसे बड़ी जीत पारी और 272 रन के अंतर से हुई थी. ये जीत भारत को 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ राजकोट में मिली थी। डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार और मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 1-1 विकेट लिया। इससे पहले सुथार ने अफगानिस्तान की पहली पारी में 6 विकेट लिए। इस तरह उन्होंने मैच में कुल 7 विकेट लिए।

पश्चिम बंगाल: भ्रष्टाचार मामलों की जांच के लिए सीबीआई को सहमति

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को फिर से "सामान्य सहमति" (जनरल कंसेंट) या "स्थायी अनुमति" बहाल करने की घोषणा की। इसके तहत अब सीबीआई राज्य में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू करने के लिए हर बार राज्य सरकार से अलग-अलग अनुमति लेने की बाध्यता से मुक्त होगी। हालांकि, राज्य सरकार ने इस फैसले के साथ एक शर्त भी जोड़ी है। यदि किसी मामले में आरोप राज्य सरकार के किसी कर्मचारी के खिलाफ हों, तो सीबीआई को जांच शुरू करने से पहले राज्य सरकार की पूर्व अनुमति लेनी होगी।

सुदूर दक्षिण में भारत के पास होंगे दो एयरबेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडमान-निकोबार भारत का अंतिम छोर है। सामरिक दृष्टि से यह क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह मलक्का जलडमरूमध्य के बेहद निकट स्थित है। यह ऐसी रणनीतिक लोकेशन है, जहां से चीन के लगभग 80 प्रतिशत कच्चे तेल और 70 प्रतिशत एलएनजी (एलएनजी) का आवागमन होता है। सामरिक और व्यावसायिक, दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र को नई पहचान देने की दिशा में भारत सरकार तैयारी कर रही है। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह (जीएनआई) के समग्र विकास की परिकल्पना के तहत केंद्र सरकार ने चार प्रमुख परियोजनाओं को शामिल किया है। इनमें अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट (आईसीटीपी), संयुक्त उपयोग वाला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा एवं नौसैनिक एयर स्टेशन, टाउनशिप तथा पावर प्लांट शामिल हैं।

एसबीआई ने केंद्र सरकार को सौंपा 8,813 करोड़ का डिविडेंड चेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सोमवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को 8,813 करोड़ रुपए का डिविडेंड (लाभांश) चेक सौंपा। यह चेक एसबीआई के चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा। वित्त मंत्री कार्यालय (एफएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस जानकारी को साझा करते हुए बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एसबीआई के चेयरमैन सी.एस. शेट्टी से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 8,813 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक प्राप्त किया है। यह लाभांश भुगतान सार्वजनिक क्षेत्र के इस बड़े बैंक के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को दशार्ता है। साथ ही, यह केंद्र सरकार की गैर-कर (नॉन-टैक्स) आय में एक महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब एसबीआई देश के बैंकिंग और डिजिटल भुगतान तंत्र में एक अहम भूमिका निभा रहा है।

काकोली घोष दस्तीदार बोलीं- स्पीकर को दी गई जानकारी, जल्द सौंपा जाएगा पत्र

टीएमसी में टूट का दावा, 20 सांसद एनडीए के संपर्क में !

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बड़े उलटफेर की अटकलें तेज हो गई हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की पूर्व नेता और सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया है कि पार्टी के लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 सांसदों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने का फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को मौखिक रूप से अवगत करा दिया गया है और जल्द ही औपचारिक पत्र भी सौंपा जाएगा।

काकोली घोष दस्तीदार के अनुसार, टीएमसी के कई सांसद मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों से असंतुष्ट हैं और पार्टी नेतृत्व की कार्यशैली को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी के चलते बड़ी संख्या

में सांसदों ने अलग राह चुनने का निर्णय लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, सोमवार दोपहर टीएमसी के 11 सांसदों ने केंद्रीय मंत्री एवं पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रभारी भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की। इस दौरान पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी भी वहां पहुंचे और सांसदों से मुलाकात की। बैठक में काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, अबू ताहिर, अरूप चक्रवर्ती, खलीलुर रहमान, शर्मिला सरकार, असित मल, कालीपद सोरेन, जगदीश बसुनिया और प्रसून बनर्जी समेत कई नेता मौजूद बताए गए।

गौरतलब है कि वर्तमान में लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले भी पार्टी में अंदरूनी असंतोष की खबरें सामने आती रही हैं। हाल ही में यह दावा किया गया था कि पश्चिम बंगाल विधानसभा के कई विधायक भी अलग गुट बनाने की तैयारी में हैं।

हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इन दावों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को पश्चिम बंगाल की राजनीति में संभावित बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। यदि यह दावा सही साबित होता है तो लोकसभा में टीएमसी की ताकत पर इसका सीधा असर पड़ सकता है और राज्य की राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं।

टीएमसी नेता जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर से गिरफ़्तार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता जहांगीर खान को पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) ने नेपाल बॉर्डर से गिरफ़्तार कर लिया। सूत्रों ने बताया कि जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर के रास्ते देश से भागने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान उन्हें पकड़ा गया। हाल ही पश्चिम बंगाल की फाल्टा विधानसभा सीट पर हुए उप-चुनाव की वजह से जहांगीर खान चर्चा में आए थे। इस सीट पर जहांगीर टीएमसी के उम्मीदवार थे। लेकिन, मतदान से पहले उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। हालांकि टीएमसी ने कहा था कि जहांगीर खान का यह फैसला निजी था। इस सीट पर बीजेपी के देबांग्शु पांडा एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत गए थे।

मालवीय नगर अग्निकांड:

लवकेश बजाज की रिमांड बढ़ाई, कुक को न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड में गिरफ्तार होटल के मालिक लवकेश बजाज और कुक केशव नेगी को सोमवार को साकेत कोर्ट में पेश किया गया। राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर में हुए अग्निकांड मामले में होटल के गिरफ्तार मालिक लवकेश बजाज और कुक केशव नेगी की पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद दोनों को सोमवार को दिल्ली के साकेत कोर्ट में पेश किया गया।

इस दौरान कोर्ट ने लवकेश बजाज की पुलिस रिमांड दो दिन और बढ़ा दी है, जबकि कुक केशव नेगी

को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने 6 जून को होटल के कुक केशव नेगी को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस की जांच में सामने आया है कि आग लगने में कुक की लापरवाही थी। जांच के दौरान अधिकारियों को कथित तौर पर सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघन और इमारत के फायर सेफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी गंभीर कमियां मिली थीं।

इस मामले में पुलिस ने होटल के मालिक लवकेश बजाज के अलावा अन्य आरोपी स्वीटी सरकार और पुष्पो सरकार को भी गिरफ्तार किया है।

बता दें कि इस घटना में कई विदेशी नागरिकों समेत कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। इन 22 लोगों में से 9 भारतीय थे, जबकि 13 विदेशी नागरिक थे, जो बांग्लादेश, लाइबेरिया, नाइजीरिया और मोजाम्बिक के रहने वाले थे। इमारत से 47 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था।

राष्ट्रपति मुर्मु ने देश के जांबाजों को किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह-क में वीरता पुरस्कार प्रदान किए। समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के गायन के साथ हुई। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे, जहां सशस्त्र बलों के कर्मियों को वीरता और विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान असाधारण वीरता, साहस और विशिष्ट सेवा के लिए फ्लाइट लेफ्टिनेंट (वर्तमान स्क्वाड्रन लीडर) आर्शवीर सिंह ठाकुर को वीर चक्र से सम्मानित किया। लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. और रूपा ए. को 'सागर परिक्रमा-2' अभियान के दौरान असाधारण साहस, समुद्री कौशल और सहनशक्ति के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाके में एक सैन्य अभियान के दौरान असाधारण वीरता दिखाने के लिए भारतीय सेना के मेजर आदित्य प्रताप सिंह को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ में नक्सल-विरोधी ऑपरेशन के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख को शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

▶▶ उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को बड़ा झटका

सब्सिडी वाले गैस सिलिंडर 9 से घटाकर 4 किए

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती एलपीजी कीमतों और सब्सिडी पर बढ़ते वित्तीय बोझ के बीच केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के करोड़ों लाभार्थियों को बड़ा झटका दिया है। सरकार ने योजना के तहत एक वर्ष में मिलने वाले सब्सिडी वाले एलपीजी सिलिंडरों की संख्या नौ से घटाकर केवल चार कर दी है। यह नया प्रावधान तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय लाभार्थियों की औसत वार्षिक गैस खपत को ध्यान में रखकर लिया गया है। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रवीण मल खनूजा ने सोमवार को मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि अधिकांश उज्ज्वला लाभार्थी सालभर में लगभग चार सिलिंडरों का ही उपयोग करते हैं, इसलिए सब्सिडी वाले सिलिंडरों की

संख्या को उसी के अनुरूप निर्धारित किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई 2016 में उज्ज्वला योजना की शुरूआत गरीब परिवारों, विशेषकर महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की थी। योजना के तहत प्रारंभ में लाभार्थियों को हर साल 14.2 किलोग्राम के 12 सब्सिडी वाले गैस सिलिंडर उपलब्ध कराए जाते थे। बाद में इस संख्या को घटाकर नौ किया गया और अब इसे और कम करते हुए केवल चार सिलिंडर कर दिया गया है।

गौरतलब है कि मई 2022 में सरकार ने बढ़ती गैस कीमतों के बीच उज्ज्वला लाभार्थियों को राहत देने के लिए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलिंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी शुरू की थी। यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती थी। अक्टूबर 2023 में इस सब्सिडी को बढ़ाकर 300 रुपये प्रति सिलिंडर कर दिया गया था और पांच किलोग्राम वाले सिलिंडरों पर भी अनुपातिक लाभ देने की व्यवस्था की गई थी।

हालांकि, सब्सिडी वाले सिलिंडरों की संख्या घटाने का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब घरेलू रसोई गैस की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। ऐसे में योजना से जुड़े करोड़ों गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों ने भी इस निर्णय पर सवाल उठाते हुए कहा है कि सरकार को महंगाई के दौर में गरीब परिवारों को राहत देने के बजाय उनकी सहायता कम नहीं करनी चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि उज्ज्वला योजना ने ग्रामीण और गरीब परिवारों में स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

58.15 करोड़ पहुंची जन धन खातों की संख्या

● जमा राशि 3 लाख करोड़ रुपए के पार: सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की पिछले 12 वर्षों की पहलों ने वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य सेवा, आवास, नल से जल, स्वच्छ ईंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक लोगों की पहुंच को कई गुना बढ़ाया है। यह जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी एक फैक्टशीट में दी गई। फैक्टशीट के अनुसार, देश भर में गरीबों के लिए खोले गए जन धन बैंक खातों की संख्या बढ़कर 58.15 करोड़ हो गई है। इन खातों में कुल जमा राशि भी बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जो इस योजना की सफलता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में खोले गए ये खाते दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन अभियान के रूप में देखे जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, जन धन खातों में से 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम पर हैं। फैक्टशीट में कहा गया है कि जन धन योजना, आधार और मोबाइल को मिलाकर बनी "जेएम ट्रिनिटी" ने देश में वित्तीय समावेशन को नई गति दी है। इस व्यवस्था के जरिए यह सुनिश्चित किया गया है कि सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी रिसाव (लीकेज) के सीधे पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे बयान में बताया गया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत जारी आयुष्मान भारत कार्डों की संख्या 44 करोड़ तक पहुंच गई है।

जौनसार बावर महोत्सव में मुख्यमंत्री धामी ने की विकास परियोजनाओं की घोषणाएं

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी केदार सिंह स्टेडियम, नागथात में आयोजित जौनसार बावर लोक सांस्कृतिक महोत्सव एवं क्रीड़ा समारोह 2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी केदार सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा क्षेत्र के विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने समरजेंस मोटर मार्ग के चौड़ीकरण एवं डामरीकरण, प्राथमिक विद्यालय नागथात को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने, बागी खेड़ा कोटा तपलाड मार्ग पर यमुना नदी में 60 मीटर स्पैन पुल निर्माण, क्यारापुल डामटा म्यूँडा मोटर मार्ग से छामरी एवं जाखणी तक सड़क निर्माण तथा सकरोल से भोड़ा भालनू, उटेल होते हुए द्वितीय सिद्धपीठ महासू महाराज थैना तक मोटर मार्ग निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा खबऊ क्षेत्र में यमुना नदी से पंपिंग पेयजल योजना, जगथान बुरायला मार्ग से ग्राम उदांवा तक सड़क निर्माण को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में प्रस्तावित करने तथा द्वीना से बिसोई खुना अलमान तक नए संपर्क मार्ग के निर्माण की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने महासू देवता को नमन करते हुए कहा कि जौनसार बावर सांस्कृतिक पुनरुत्थान समिति पिछले 33 वर्षों से इस महोत्सव के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जौनसार बावर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, मेहनतकश, सरल और स्वाभिमानी जनता के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां की लोक संस्कृति और परंपराएं सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जौनसार के रासो की थाप, हारूल की गूंज और बौंद जैसी परंपराएं केवल उत्तराखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक धरोहर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, शिक्षा और समग्र विकास के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, वन धन योजना तथा प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी योजनाएं जनजातीय समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उत्तराखंड जनजातीय महोत्सव के माध्यम से जनजातीय संस्कृति और

विरासत को एक मंच प्रदान किया है। साथ ही प्रतिवर्ष जनजातीय खेल महोत्सव आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के अंतर्गत प्रदेश के 128 जनजातीय गांवों का चयन किया गया है, जहां सड़क, बिजली, पेयजल और इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कालसी, मेहरावना, बाजपुर और खटीमा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जबकि बाजपुर और चकराता में नए विद्यालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनजातीय विद्यार्थियों को प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है तथा शैक्षिक विकास के लिए 16 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय भी संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समुदाय की बेटियों के विवाह के लिए 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। जनजातीय शोध संस्थान के लिए एक करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि चकराता क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 39 करोड़ रुपये की लागत वाली 56 योजनाओं को स्वीकृति दी गई थी, जिनमें से 51 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं और शेष पांच योजनाओं को भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में सड़कों को मजबूत करने के लिए 1,300 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग 707 और 707ए के चौड़ीकरण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। कालसीक्षचकराता मार्ग पर जजरेड क्षेत्र में भूस्खलन की समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी कार्य किया जा रहा है। वहीं न्यू चकराता टाउनशिप हय्यो डांडा पंपिंग योजना पर लगभग 229 करोड़ रुपये की लागत से काम चल रहा है, जिससे भविष्य में क्षेत्र में पेयजल संकट नहीं रहेगा। महासू देवता मंदिर परिसर के भव्य विकास के लिए 120 करोड़ रुपये के मास्टर प्लान के अंतर्गत विकास कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम में विधायक मुन्ना सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, गीता राम गौड़, मेला समिति अध्यक्ष नरेश चौहान, महासचिव नरेंद्र तोमर, खुशीराम जोशी, जयपाल सिंह तोमर, शूरवीर सिंह तोमर, बलवीर सिंह नेगी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

टीएमसी नेता जहांगीर खान गिरफ्तार, नेपाल भागने की फिराक में था

-फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ सात एफआईआर दर्ज हैं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर से की गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर दर्ज की गई थीं। वह नेपाल भागने की फिराक में थे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जहांगीर खान के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। हालांकि अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जहांगीर खान ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां दोबारा चुनाव हुए थे। दोबारा चुनाव से पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

दिल्ली–एनसीआर में फिर सताएगी भीषण गर्मी, इस हफ्ते लू और बढ़ते तापमान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून के पिछले हफ्ते में आई आंधी–तूफान और बारिश के कारण मौसम खुशनुमा हो गया था, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली थी। हालांकि, दिल्ली– एनसीआर के निवासियों को एक बार फिर सूरज की तपिश और चिलचिलाती धूप का सामना करना पड़ेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस हफ्ते राजधानी और आसपास के इलाकों में तापमान का ग्राफ तेजी से बढ़ने वाला है। सोमवार से आसमान पूरी तरह साफ रहेगा, जिससे गर्मी का कहर और अधिक बढ़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली–एनसीआर में 8 जून से गर्मी का नया दौर शुरू होने जा रहा है। इस पूरे हफ्ते लोगों को तेज गर्म हवाओं और लू (हीटवेव) के थपेड़े झेलने पड़ेंगे। इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 27 से 29 सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब न केवल दिन के समय भीषण गर्मी रहेगी, बल्कि रातें भी लोगों को तपाने वाली हैं। पिछले दिनों हुई आंधी और बारिश का असर अब पूरी तरह खत्म हो चुका है और मौसम शुष्क होने के कारण उमस भरी गर्मी लोगों की परेशानियां बढ़ाएगी। दिल्ली के विभिन्न इलाकों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर या शाम के समय गरज–चमक की स्थिति बनने की संभावना है। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं, लेकिन बारिश को लेकर कोई बड़ा अलर्ट जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि 11 से 13 जून के आसपास एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कहीं–कहीं हल्की बारिश और आंधी आ सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट दर्ज होगी। इसके बाद, दिल्ली–एनसीआर में लोगों को राहत देने वाला दक्षिण–पश्चिम मानसून 25 से 30 जून के आसपास दस्तक दे सकता है। फिलहाल मानसून आने से पहले केवल छिटपुट प्री–मानसून गतिविधियां ही देखने को मिलेंगी। दूसरी ओर, वायु गुणवत्ता सूचकांक वर्तमान में 50 से 100 के बीच यानी मध्यम स्तर पर बना हुआ है, लेकिन उड़ती धूल और बढ़ती गर्मी के कारण सांस के मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बेवजह घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी है।

वीरप्पन से जुड़े मामले में अभिनेत्री सुकन्या को मिली बड़ी जीत

-30 साल लड़ी कानूनी लड़ाई के बाद मिलेगा 10 लाख का मुआवजा

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता कमल हासन के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'इंडियन' में काम कर चुकीं मशहूर अभिनेत्री आर. सुकन्या ने एक निजी टेलीविजन नेटवर्क के खिलाफ तीन दशक पुरानी मानहानि की कानूनी लड़ाई जीत ली है। मद्रास उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए संबंधित टीवी नेटवर्क को आदेश दिया है कि वह अभिनेत्री को मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये का भुगतान करे। यह पूरा मामला साल 1996 का है और इसका सीधा संबंध कुख्यात चंदन तस्कर व डकैत वीरप्पन से जुड़ा हुआ है। दरअसल, वर्ष 1996 में इस टीवी नेटवर्क ने पत्रकार नक्कीरन आर. गोपाल द्वारा जंगल में लिए गए वीरप्पन के एक इंटरव्यू का प्रसारण किया था। इस इंटरव्यू के दौरान डकैत वीरप्पन ने अभिनेत्री सुकन्या को लेकर बेहद आपत्तिजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां की थीं, जिन्हें चैनल ने बिना किसी कांट–छांट या संपादन (एडिट) के सीधे प्रसारित कर दिया था। सुकन्या ने आरोप लगाया था कि चैनल ने उनकी छवि को धूमिल करने और उन्हें अपमानित करने के उद्देश्य से जानबूझकर इस आपत्तिजनक हिस्से को नहीं हटाया। इसके बाद उन्होंने 1996 में ही मद्रास उच्च न्यायालय में टीवी नेटवर्क, पत्रकार गोपाल और वीरप्पन के खिलाफ 10 लाख रुपये के हर्जाने का सिविल मुकदमा दायर किया था। बाद में इस मामले को सिटी सिविल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान टीवी नेटवर्क ने दलील दी थी कि उनका इरादा किसी को बदनाम करने का नहीं था, बल्कि पत्रकार ही उनके पास वह फुटेज लेकर आए थे। दूसरी ओर, पत्रकार गोपाल ने अदालत को बताया कि अनुबंध के अनुसार चैनल के पास पूरे इंटरव्यू को संपादित करने, काटने या किसी भी हिस्से को हटाने का पूरा अधिकार था। उन्होंने चैनल को 9 घंटे की फुटेज सौंपी थी, जिसमें से चैनल ने केवल 4 घंटे का हिस्सा ही प्रसारित किया था।

हालिया संकेतों से बढ़ीं अटकलें, मोदी कैबिनेट में जल्द होगा फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के वर्तमान कार्यकाल के दो साल पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के हालिया संगठनात्मक और रणनीतिक कदमों ने इन कयासों को हवा दी है। इन कदमों में दो केंद्रीय मंत्रियों को राज्य इकाइयों की अहम जिम्मेदारी सौंपना और दो अन्य को राज्यसभा के लिए दोबारा नामांकित न करना शामिल है।

राजनीतिक गलियारों में हलचल तब और बढ़ गई जब भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए पांच राज्यों से 11 नेताओं को नामांकित किया, लेकिन इस सूची से दो केंद्रीय मंत्रियों—रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम गायब रहा। इन दोनों मंत्रियों की राज्यसभा सदस्यता 21 जून को समाप्त हो रही है। पंजाब से कांग्रेस के पूर्व सांसद बिट्टू वर्तमान में राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि केरल के मूल निवासी कुरियन मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण की थी। इस मंत्रिपरिषद में वर्तमान में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों के दौरान भी सरकार के दो साल पूरे होने के ठीक बाद जुलाई 2016 और जुलाई 2021 में मंत्रिपरिषद का फेरबदल और विस्तार किया गया था। इस बार भी वैसा ही पैटर्न दिखने की उम्मीद जताई जा रही है। आगामी 18 जून को 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के साथ महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में उपचुनाव होने हैं, जिसके लिए नामांकन की अंतिम तारीख 8 जून है। संवैधानिक नियमों के अनुसार, मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का अधिकतम 15 प्रतिशत हो सकता है। सरकार के दो साल पूरे होने और मंत्रियों के सदन के कार्यकाल के समीकरणों को देखते हुए इस सप्ताह मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ममता और केजरीवाल के चलते बर्बाद हुआ इंडिया गठबंधन

संजय झा ने नीतीश के यूटर्न की स्टोरी से उठाया पर्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी एकजुटता की नींव रखने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अपनी ही मेहनत से बने इंडिया गठबंधन से नाता क्यों तोड़ा, इस रहस्य से आखिरकार पर्दा हट गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष और नीतीश कुमार के बेहद करीबी राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे करते हुए गठबंधन के बिखरने की पूरी इनसाइड स्टोरी बयां की है। उन्होंने सीधे तौर पर दो बड़े विपक्षी नेताओं को इस गठबंधन के सत्यानाश के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

संजय झा ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत इंडिया गठबंधन को व्यक्तिगत तौर पर बर्बाद कर दिया। उन्होंने बताया कि गठबंधन के भीतर यह आम सहमति बन चुकी थी कि नीतीश कुमार को इस विपक्षी मोर्चे का संयोजक बनाया जाएगा। लेकिन एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने अचानक नया दांव चल दिया। दोनों ने सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि

गठबंधन का संयोजक किसी दलित चेहरे को होना चाहिए और इसके लिए उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे बढ़ा दिया। इस अप्रत्याशित कदम के चलते कांग्रेस तुरंत बैकफुट पर आ गई और पूरी योजना खटाई में पड़ गई।

जेडीयू नेता ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार कभी भी किसी पद या संयोजक की कुर्सी के लिए बेचैन नहीं थे, उनका एकमात्र उद्देश्य सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाना था। लेकिन इस गठबंधन के पास न तो कोई स्पष्ट विजन था और न ही आंतरिक एकजुटता। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों को हमेशा यह महसूस होता रहा कि कांग्रेस केवल कुछ ही राज्यों में राजनीति करती है, जिससे उन्हें कोई खास फायदा नहीं था।

इंटरव्यू के दौरान जब संजय झा से मौजूदा केंद्र सरकार और अटल बिहारी वाजपेयी के दौर के गठबंधन मॉडल के अंतर पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वाजपेयी सरकार के समय 24 दल शामिल थे, जबकि आज के दौर में आपसी संवाद का एक बेहतर सिस्टम है। उन्होंने साफ किया कि एनडीए में यदि बिहार या किसी राष्ट्रीय मुद्दे पर असहमति होती है, तो शीर्ष स्तर पर बातचीत कर उसे सुलझा लिया जाता है। महिला आरक्षण बिल जैसे महत्वपूर्ण फैसलों पर भी जेडीयू से सलाह ली गई थी, इसलिए पार्टी को सरकार में असहज होने जैसी कोई बात नहीं है। इसके अलावा, क्षेत्रीय पार्टियों के कमजोर होने और टूटने पर चिंता व्यक्त करते हुए संजय झा ने इसके लिए परिवारवाद को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि जेपी आंदोलन से निकले समाजवादी नेता पहले विचारधारा से शुरू हुए, फिर जाति के नेता बने और अंततः परिवार की पार्टी बनकर रह गए, जिससे उनका पतन शुरू हुआ। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार की विरासत और जेडीयू का अस्तित्व हमेशा मजबूत रहेगा क्योंकि उन्होंने कभी राजनीति को निजी संपत्ति या बैंक अकाउंट की तरह इस्तेमाल नहीं किया।

सीएम विजय महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा के लिए सिंगाप्पन फोर्स का आज करेंगे शुभारंभ

–आईपीएस अफसर भवानीश्वरी को सिंगप्पन विशेष कार्य बल का आईजी बनाया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सिंगप्पन स्पेशल टास्क फोर्स का शुभारंभ करेंगे। यह फोर्स राज्यभर में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्थापित एक समर्पित पुलिस इकाई है। उद्घाटन समारोह मंगलवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू राजारथिनम स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। सीएम पदभार संभालने के बाद विजय द्वारा की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक विशेष बल का गठन था। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल केंद्रित पुलिसिंग, त्वरित हस्तक्षेप और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के भवानीश्वरी को सिंगप्पन विशेष कार्य बल का पहला आईजी नियुक्त किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवगठित इकाई में

एक एसपी, दो उप पुलिस अधीक्षक, चार निरीक्षक और कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 30 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। फोर्स को एक विशिष्ट पहचान देने के लिए सरकार ने एक विशेष वर्दी पेश की है। कार्य बल से जुड़ी महिला पुलिसकर्मी और महिला सब-इंस्पेक्टर नीली कमीज के साथ खाकी पेंट पहनेंगी। उन्हें काली टोपी और काले जूते भी दिए गए हैं। उम्मीद है कि यह अनूठी वर्दी राज्यभर में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय बल को आसानी से पहचानने योग्य बनाएगी।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ मूल रूप से 29 मई को तय था और मुख्यमंत्री द्वारा उसी दिन इसका उद्घाटन किया जाना था। हालांकि, प्रशासनिक कारणों से अंतिम समय में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब औपचारिक उद्घाटन मंगलवार को तय है, उम्मीद है कि यह विशेष बल इसके तुरंत बाद परिचालन शुरू कर देगा। चेन्नई में शुभारंभ समारोह के बाद सिंगाप्पन कर्मियों को तमिलनाडु भर में तैनात किया जाएगा और वे सभी जिलों में कार्य करना शुरू कर देंगे।

अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अधिक सशक्त और समन्वित कार्रवाई हेतु इस कार्य बल का गठन किया गया है।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ विजय सरकार की प्रमुख कानून-व्यवस्था पहलों में से एक माना जा रहा है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और कल्याण पर विशेष रूप से केंद्रित एक समर्पित इकाई का गठन करके, सरकार को उम्मीद है कि इससे पुलिसिंग में जनता का विश्वास बढ़ेगा और तमिलनाडु में एक सुरक्षित वातावरण बनेगा।

लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर मरीजों को वायुसेना ने चंडीगढ़ पहुंचाया

–रेसक्यू किए गए लोगों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल

लद्दाख (एजेंसी)। वायुसेना ने मेडिकल इमरजेंसी अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस दौरान लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चंडीगढ़ पहुंचाया। रेसक्यू किए गए व्यक्तियों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद वायुसेना ने कार्रवाई करते हुए मरीजों को सुरक्षित निकाला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लद्दाख से एयरलिफ्ट किए गए पांच मरीजों में भारतीय सेना के तीन जवान, उनका एक आश्रित सदस्य, और लद्दाख का एक स्थानीय निवासी शामिल था। सभी मरीजों की स्थिति गंभीर थी और उन्हें तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की जरुरत थी। इस अभियान के लिए

भारतीय वायुसेना ने अपने सी-17 और एएन-32 परिवहन विमानों का इस्तेमाल किया। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों, सीमित संसाधनों और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के बावजूद विमानों के चालक दल ने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया और मरीजों को समय पर चंडीगढ़ पहुंचाया। बता दें 2026 में केवल लद्दाख सेक्टर में ही भारतीय वायुसेना के कैजुअल्टी इवैक्यूएशन अभियानों के जरिए अब तक 143 लोगों की जान बचाई जा चुकी है। यह आंकड़ा दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में वायुसेना की मानवीय सेवाओं और तत्परता का प्रमाण है। इस अभियान की सफलता के साथ ही भारतीय वायुसेना ने कहा कि हर जीवन अहम है और हर आपातकालीन पुकार का जवाब देना उसका कर्तव्य है। यही भावना ऐसे चुनौतीपूर्ण अभियानों को सफल बनाने की प्रेरणा देती है। बता दें कुछ महीने पहले लद्दाख की बर्फ से ढकी खतरनाक चोटियों और दो विदेशी नागरिकों के फंसने का एक गंभीर मामला सामने आया था। यहां दो कोरियाई नागरिक 17,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई वाली चोटी पर मौजूद थे। सेना ने इस घटना का पता लगने पर बिना देरी किए रात के अंधेरे में संवेदनशील व साहसिक ऑपरेशन चलाया। यह अभियान भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर की आर्मी एविएशन यूनिट द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था। कड़ी मेहनत के बाद दोनों विदेशी नागरिकों को बचा लिया था।

इजरायल में स्थापित होगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा

मुंबई (एजेंसी)। इजरायल के मुंबई स्थित वाणिज्य दूतावास ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा इजरायल में स्थापित करने की ऐतिहासिक योजना की घोषणा की है। इस विशेष परियोजना का ऐलान शिवराज्याभिषेक दिन के गौरवशाली अवसर पर किया गया है। इजरायल के वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार से सहयोग की अपील की थी, जिसे मुख्यमंत्री ने तुरंत और सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के अनुरूप एक शानदार स्मारक बनाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से जो मदद मांगी थी, उस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपनी सहमति दे दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इजरायल की धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का निर्माण भारत और इजरायल के बीच के बेहद घनिष्ठ और मजबूत होते संबंधों का एक जीवंत प्रतीक बनेगा। यह स्मारक इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र और भारतीय यहूदी समुदाय के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, और इस समुदाय के वंशज आज इजरायली समाज के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए इजरायली दूतावास ने महाराष्ट्र सरकार से ऐतिहासिक संदर्भ, कलात्मक विमर्श, प्रतिमा के डिजाइन संबंधी तकनीकी सलाह और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का औपचारिक अनुरोध किया है। इजरायली वाणिज्य दूत ने उम्मीद जताई कि इस अनूठी परियोजना को भविष्य में एक बड़े जन-आंदोलन का रूप दिया जा सकता है, जो दोनों देशों के नागरिकों के बीच मित्रता को और प्रगाढ़ करेगा तथा साहस, कुशल नेतृत्व व पारस्परिक सम्मान जैसे साझा मूल्यों का एक स्थायी प्रतीक बनेगा।

मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास की दिखेगी झलक

मुंबई में अपनी नियुक्ति के बाद से ही रेवाच ने मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास का गहन अध्ययन किया है। उन्होंने शिवाजी महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे केवल एक साम्राज्य के संस्थापक नहीं थे, बल्कि एक असाधारण और दूरदर्शी नेता थे, जिनकी सुशासन, अदम्य साहस, धार्मिक सहिष्णुता, आधुनिक नौसेना शक्ति और लोक-कल्याण की नीतियां आज भी पूरी दुनिया की पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के बाद से ही दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक रूप से करीब लाने के प्रयास तेज हुए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन और तकनीक में पहले से ही मजबूत सहयोग है, लेकिन इस पहल से सांस्कृतिक संबंधों को एक नई गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर भारत की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन होगा।

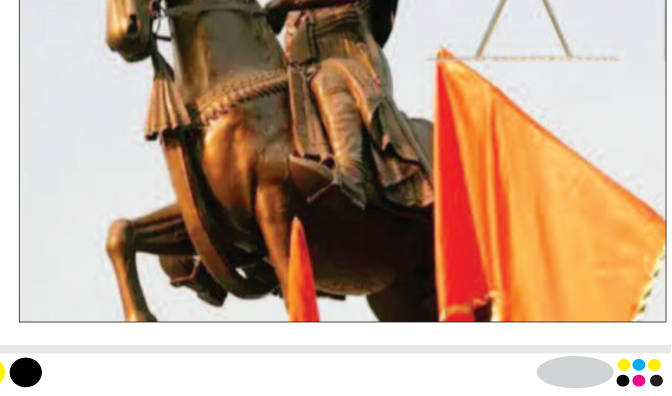

जीडीए का बड़ा एक्शन: हिंडन डूब क्षेत्र और महरौली में ढहाई गई अवैध कॉलोनियां, भारी विरोध के बीच चला पीला पंजा

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है। प्रवर्तन जोन-04 की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ मिलकर महरौली, सिद्धार्थ विहार और हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में ताबड़तोड़ ध्वस्तीकरण किया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और लोगों ने भारी विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन प्राधिकरण के पुलिस बल ने मुस्तैदी दिखाते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और तोड़फोड़ की कार्रवाई जारी रखी।

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए या नियमों के विरुद्ध किए गए निमार्णों को पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया है। सोमवार को हुई मुख्य कार्रवाइयां इस प्रकार हैं।

महरौली में 6600 वर्गगज पर अवैध प्लाटिंग जमींदोज

ग्राम महरौली में महागुन ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के पास सुशीला त्यागी और दीपक त्यागी द्वारा खसरा संख्या-816, 819, 820 व 821 की लगभग 6600 वर्गगज भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी। यहाँ नियमों को ताक पर रखकर मिट्टी की फिलिंग की जा रही थी और कच्ची सड़क को सीधे एनएच-09 से जोड़ने व सीवर डालने की तैयारी थी। प्राधिकरण ने इस पर संज्ञान लेते

हुए 20 नवंबर 2025 को कारण बताओ और कार्य रोको नोटिस जारी किया था। निर्माणकताओं द्वारा कोई संतोषजनक जवाब न देने पर सोमवार को इस पूरी अवैध साइट को ध्वस्त कर दिया गया।

प्रताप विहार में नियमों का उल्लंघन करने वाला निर्माण ढहाया

प्रताप विहार के सेक्टर-11 स्थित भवन संख्या ए-239 पर अंकुर शर्मा द्वारा जीडीए के नियमों का उल्लंघन कर निर्माण किया जा रहा था। निर्माणकर्ता ने प्राधिकरण से बिना किसी पूर्व स्वीकृति के, भवन के सेट-बैक को प्रभावित करते हुए अवैध कंस्ट्रक्शन कर लिया था। प्रवर्तन टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस अवैध निर्माण को भी पूरी तरह ढहा दिया।

सिद्धार्थ विहार और हिंडन डूब क्षेत्र में भी चला बुलडोजर

प्रवर्तन जोन-04 के अंतर्गत आने वाले सिद्धार्थ विहार डूब क्षेत्र में अवैध कॉलोनी बसाने और प्लाटिंग के उद्देश्य से किए जा रहे सभी नए निमार्णों को ध्वस्त कर दिया गया। इसके अलावा, हिंडन नदी के समीप डूब क्षेत्र में की जा रही अवैध प्लाटिंग, बाउंड्रीवॉल, अवैध रूप से चल रहे बिल्डर ऑफिस और छोटे-मोटे अनाध्यासित भवनों को भी मलबे में तब्दील कर दिया गया।

चेतावनी: जीडीए प्रशासन ने साफ कर दिया है कि प्राधिकरण की बिना स्वीकृति के किए जाने वाले अवैध निमार्णों और प्लाटिंग के खिलाफ सीलिंग व ध्वस्तीकरण का यह अभियान आगे भी इसी प्रकार कड़ाई से जारी रहेगा।

करोड़ों की डकैती का खुलासा : मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, निलंबित सिपाही समेत पांच गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में टिम्बर कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल के घर हुई करोड़ों रुपये की सनसनीखेज डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। देर रात हुई मुठभेड़ में पुलिस ने दो बदमाशों को गोली मारकर घायल कर दिया, जबकि निलंबित पुलिस कांस्टेबल समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 24 लाख रुपये नकद, सोने चांदी के जेवरात, मोबाइल फोन, बाइक और अवैध हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार गिरधारी नगर निवासी टिम्बर कारोबारी नरेंद्र अग्रवाल के घर एक जून की रात चार बदमाश गन प्वाइंट पर घुस गए थे। बदमाशों ने नरेंद्र अग्रवाल, उनकी पत्नी सुशीला अग्रवाल, पोते सिद्धांत तथा चौकीदार श्याम कुमार के हाथ पैर बांधकर एक कमरे में बंद कर दिया और करीब दो करोड़ रुपये मूल्य का सोना एवं नकदी लूटकर फरार हो गए थे। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी।

पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि देर रात सुल्तानपुर कट के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो बाइकों पर सवार संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में मुरादाबाद निवासी साहिबे आलम और रोहित सागर गोली लगने से घायल हो गए, जबकि गुड्डू आलम, टिंकू उर्फ पिंकू तथा अमरोहा निवासी निलंबित कांस्टेबल विक्की गौतम को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया कि इस गिरोह की साजिश जेल के भीतर तैयार हुई थी। नकली नोटों के मामले में जेल जा चुका निलंबित सिपाही विक्की गौतम वहां साहिबे आलम और अन्य शातिर अपराधियों के संपर्क में आया था। इसके बाद गिरोह ने सुनियोजित तरीके से डकैती की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार कारोबारी के घर में काम करने वाले एक राजमिस्त्री के बेटे टिंकू उर्फ पिंकू ने घर की रेकी की थी और घर में मौजूद कीमती सामान की जानकारी गिरोह तक पहुंचाई थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और जल्द ही शेष लूटा गया माल भी बरामद कर लिया जाएगा। इस बड़ी वारदात का सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम को प्रोत्साहन स्वरूप 25 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

किसानों की एकजुटता का बड़ा संदेश: अशोक कुमार डींगरा बने राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के हापुड़ जिला अध्यक्ष

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वी.एम. सिंह के निर्देश पर संगठन की हापुड़ जिला कार्यकारिणी के गठन को लेकर रविवार को गढ़-दिल्ली रोड (एनएच-9) स्थित हर्ष गार्डन, सिंभावली में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बछलौता निवासी निरंजन शास्त्री ने की, जबकि संगठन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह अमरोहा के नेतृत्व में जिले के नए पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया संपन्न हुई। बैठक में मेरठ मंडल अध्यक्ष चौधरी रामवीर सिंह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश महासचिव चौधरी वीरपाल सिंह, पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रवक्ता मुकुल त्यागी, मुरादाबाद मंडल प्रभारी चौधरी राजवीर सिंह, अमरोहा युवा जिला अध्यक्ष अंकित चौधरी, बलविंदर सिंह तथा अमरीक सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिले की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए 12 सदस्यीय चयन समिति का गठन किया गया, जिसके संचालन की जिम्मेदारी निरंजन शास्त्री को सौंपी गई। समिति में जयप्रकाश त्यागी, बलविंदर सिंह ज्ञानी, नरेंद्र सिंह, जसपाल सिंह, वीरेश वीर सिंह, लटूर सिंह, फतेह मोहम्मद, जगमाल सिंह, मुनेश गिल, सावरकर सिंह और अमरीक सिंह शामिल रहे। चयन समिति द्वारा व्यापक विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से अशोक कुमार डींगरा खुडलिया को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का हापुड़ जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें किसानों के हितों की मजबूती से आवाज उठाने और संगठन को गांव-गांव तक सशक्त

बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। इस घोषणा के बाद उपस्थित किसानों और कार्यकताओं ने नए जिला अध्यक्ष का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। बैठक में विभिन्न गांवों से आए किसान प्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। रोहित सिवाग, सचिन सिवाग, अलीमुद्दीन, नरेंद्र कुमार, रविंद्र, जविंदर, राजपाल, जसवीर, मनीष, इंद्रसेन फौजी, सत्यदेव, नेत्रपाल, महेश, धर्मेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश, रवींद्र, जगमाल, अरुण, मुनेश गिल, बलराज, वीरेंद्र, अजीत, यशपाल, प्रदीप सिंह, अरुण भुल्लर, प्रिंस सिद्धू, लाटूर सिंह बाली, जोगिंदर सिंह, संजय, भूरे तथा फतेह मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में किसान अपने साथियों के साथ बैठक में मौजूद रहे। बैठक में संगठन विस्तार, किसान हितों की रक्षा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संगठन की सक्रियता बढ़ाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने किसानों की समस्याओं को मजबूती से उठाने और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प दोहराया।

करोड़ों की जमीन हड़पने की साजिश नाकाम, फर्जी दस्तावेज बनाकर संपत्ति बेचने वाले 10 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना साहिबाबाद पुलिस ने करोड़ों की जमीन को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेचने की साजिश का पदार्फाश करते हुए 10 अभियुक्त सुरेंद्र सिंह, रमेश पुरोहित, वेंकट बालकृष्ण धाकपड़े, सेवानिवत्त लेखपाल सतवीर सिंह, अरुण कुमार बोडेती, राजे खान, जाकिर हुसैन, सादिक, हनुमान और अली जाफर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तों में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के निवासी भी शामिल है। इन्होने जमीन के वास्तविक मालिक के नाम पर फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते और अन्य दस्तावेज तैयार कर संपत्ति को अवैध रूप से बेचने की योजना बनाई थी। पुलिस ने इनके कब्जे से कब्जे से 1 फर्जी आधार कार्ड, 2 फर्जी पैन कार्ड, 2 बैंक पासबुक, 1 फर्जी वोटर आईडी कार्ड, 4 बैंक चेक बुक, 1 फर्जी किसान बही, 6 पासपोर्ट साइज फोटो बरामद की। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि नोएडा के

सेक्टर-15ए निवासी राजकुमार अग्रवाल ने 7 जून को थाना साहिबाबाद में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने लिखा कि ग्राम अर्थला स्थित उनकी जमीन राजस्व अभिलेखों में उनके नाम दर्ज है, लेकिन कुछ लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अपनी बताकर बेचने का प्रयास कर रहे है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और एक विशेष टीम का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से जमीन पर कब्जा करने और उसे बेचने की साजिश रची थी। गिरोह ने सबसे पहले जमीन और उसके मालिक से संबंधित सभी दस्तावेज जुटाए। इसके बाद असली मालिक राजकुमार अग्रवाल के नाम पर फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, बैंक खाते और अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज तैयार किए गए। इतना ही नहीं, जमीन के मालिक के रूप में एक व्यक्ति को तैयार कर उसकी वीडियो भी बनाई गई, जिसमें वह स्वयं को राजकुमार अग्रवाल बताते हुए जमीन बेचने की इच्छा व्यक्त कर रहा था। इस पूरे षड्यंत्र में एक सेवानिवत्त लेखपाल की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी। आरोपी लेखपाल ने जमीन के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई और अन्य सदस्यों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने की योजना बनाई। इसके बाद गिरोह के अन्य सदस्यों ने स्थानीय स्तर पर खरीदार तलाशने का काम शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों ने जमीन के असली दस्तावेजों को गायब दिखाने के लिए विभिन्न स्थानों पर गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। इसके अलावा समाचार पत्रों में भी संबंधित सूचनाएं प्रकाशित कराई गई थीं ताकि भविष्य में किसी कानूनी कार्रवाई की स्थिति में इन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया जा सके। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन खंगाले तो उनमें जमीन से संबंधित दस्तावेज, पूर्व में दर्ज रिपोर्टों की प्रतियां, वीडियो और असली मालिक के परिवार से जुड़ी जानकारियां भी मिलीं। गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। इस कार्रवाई से संपत्ति संबंधी अपराधों में लिप्त अन्य गिरोहों पर भी अंकुश लगेगा और ऐसे मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आरक्षी भर्ती परीक्षा-2025 : डीएम ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की ऑफलाइन लिखित परीक्षा के सफल, पारदर्शी एवं नकलविहीन संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीएम रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने गाजियाबाद के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने परीक्षा केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं बायोमैट्रिक सत्यापन संबंधी तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। डीएम ने सेठ मुकुन्द लाल इंटर कॉलेज एवं नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर अरूण दीक्षित सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। डीएम ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ करने के निर्देश दिए तथा परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

जामा मस्जिद से सटी सरकारी भूमि पर बनी 14 दुकानें ध्वस्त, नगर पालिका को सौंपा गया कब्जा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर के बेगमाबाद क्षेत्र में जामा मस्जिद से सटी सरकारी भूमि पर बनी 14 दुकानों को सोमवार को प्रशासनिक टीम ने ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। करीब दो घंटे तक चली इस कार्रवाई में सभी अवैध दुकानों को हटाकर भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया और नगर पालिका परिषद को सौंप दिया गया।kजानकारी के अनुसार, बेगमाबाद जामा मस्जिद के निकट स्थित लगभग 700 वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर 14 दुकानें निर्मित थीं। इन दुकानों का किराया जामा मस्जिद प्रबंध समिति द्वारा लिया जाता था। इस भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। पहले यह मामला जामा मस्जिद कमेटी और बेगमाबाद ग्राम पंचायत के बीच

न्यायालय में विचाराधीन था। बाद में बेगमाबाद नगर पालिका क्षेत्र में शामिल हो गया, जिसके बाद यह वाद नगर पालिका परिषद और मस्जिद प्रबंध समिति के बीच चलने लगा। हाल ही में उप जिलाधिकारी न्यायिक कोर्ट ने अपने निर्णय में उक्त भूमि पर नगर पालिका परिषद का अधिकार माना। कोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने माइक के माध्यम से न्यायालय के फैसले को सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया और अवैध कब्जाधारियों को स्वयं कब्जा हटाने की चेतावनी दी थी। साथ ही कहा गया था कि निर्धारित समय के भीतर कब्जा नहीं हटाने पर प्रशासन कार्रवाई करेगा। प्रशासन की चेतावनी के बाद रविवार रात से ही अधिकांश दुकानदारों ने अपनी दुकानों को खाली करना शुरू

कर दिया था। कई दुकानदारों ने स्वयं ही दुकानों के हिस्सों को तोड़ना शुरू कर दिया और अपना सामान बाहर निकाल लिया था। सोमवार दोपहर उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी तथा एसीपी भास्कर वर्मा के नेतृत्व में प्रशासनिक और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई में मोदीनगर, मुरादनगर, भोजपुर और निवाड़ी थानों की पुलिस के अलावा आरआरएफ बटालियन भी तैनात रही। इसके बाद नगर पालिका परिषद की दो जेसीबी मशीनों द्वारा ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आसपास एकत्र लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की। दुकानों के साथ परिसर में प्रवेश के लिए बनाया गया एक बड़ा गेट भी ध्वस्त कर दिया गया। किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने ड्रोन कैमरों के माध्यम से पूरे अभियान की निगरानी कराई। करीब दो घंटे तक शांतिपूर्ण ढंग से चली कार्रवाई में सभी 14 दुकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। पूरे अभियान के दौरान कहीं से भी विरोध या तनाव की सूचना नहीं मिली। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने लगातार मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए रखी। उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि को पूरी तरह कब्जा मुक्त करा लिया गया है और अब इसे नगर पालिका परिषद के सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

चाकू से जानलेवा हमले के बाद बक्सर में तनाव, 24 घंटे बाद भी आरोपी फरार; पुलिस का रूट मार्च, गिरफ्तारी की मांग तेज

हापुड़ (शिखर समाचार)। सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव बक्सर में हिंदू युवक पाशु पर हुए जानलेवा चाकू हमले के मामले में 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। घटना को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है तथा गांव में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए रूट मार्च किया गया। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार पांच जून की रात पाशु किसी कार्य से पुराने नेशनल हाईवे की ओर गया था।

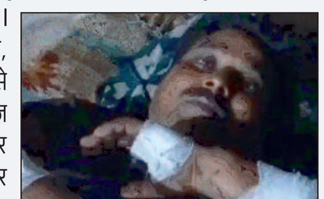

आरोप है कि गांव के ही अरमान, फैजान और छह अज्ञात युवकों ने उसे रास्ते में रोक लिया और गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पाशु किसी तरह जान बचाकर गांव की ओर भागा और एक दुकान तक पहुंचने के बाद बेहोश होकर गिर पड़ा। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे मेरठ रेफर कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने अस्पताल पहुंचकर घायल का हालचाल जाना तथा चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली। चिकित्सकों के अनुसार सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण युवक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना के बाद बक्सर समेत आसपास के गांवों में लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों और परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए पुलिस प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि गिरफ्तारी में हो रही देरी से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सीओ स्तुति सिंह ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस ने रूट मार्च कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है तथा अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

पुलिस भर्ती परीक्षा से पहले बुझ गया इकलौते बेटे का सपना, ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

हापुड़ (शिखर समाचार)। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में कनिया फाटक के निकट ट्रेन की चपेट में आने से 26 वर्षीय युवक अंकुश उर्फ नितिन की मौत हो गई। युवक सोमवार को होने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाला था। इकलौते बेटे की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सीओ वरुण मिश्रा के अनुसार शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि कनिया फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस को

शव क्षत विक्षत अवस्था में मिला। पहचान न होने के कारण शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। रविवार को गांव हबिसपुर बिगास निवासी देवेंद्र सिंह अपने पुत्र के लापता होने की सूचना देने थाने पहुंचे। इसके बाद पुलिस उन्हें मोर्चरी ले गई, जहां उन्होंने शव की पहचान अपने बेटे अंकुश उर्फ नितिन के रूप में की। परिजनों ने बताया कि अंकुश दो बहनों का इकलौता भाई था और पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। सोमवार को उसकी परीक्षा निर्धारित थी। शनिवार शाम घर देर से पहुंचने पर पिता ने उसे डांट दिया था। इसी बात से नाराज होकर वह घर से निकल गया था और फिर वापस नहीं लौटा। घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस समय युवक पुलिस भर्ती परीक्षा के सपने संजो रहा था, उसी समय उसकी असमय मौत ने पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। मां और बहन वैष्णो देवी यात्रा पर गई हुई थीं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

प्रसिद्ध रागनी गायक पेप्सी शर्मा का हृदयाघात से निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

मोदीनगर (शिखर समाचार)। प्रसिद्ध रागनी गायक पेप्सी शर्मा का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। 39 वर्षीय कलाकार के अचानक निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। रविवार को उनके पैतृक गांव पतला में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। पतला कस्बे के निवासी पेप्सी शर्मा का मूल नाम यशपाल शर्मा था। वह छह भाइयों में सबसे छोटे थे। वर्तमान में वह अपनी पत्नी रेनू और नौ वर्षीय पुत्री तरुणा के साथ नोएडा के डेल्टा सेक्टर में रह रहे थे, जबकि उनका सात वर्षीय पुत्र हेमंत अपनी दादी माया देवी के साथ गांव पतला में रहता था। परिवार के अनुसार माया देवी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। उन्हें देखने के लिए ही पेप्सी शर्मा रविवार को गांव आए थे। बताया गया कि रविवार को वह ग्रामीणों के बीच

गायक पेप्सी शर्मा का फाइल फोटो

बैठे हुए थे, तभी अचानक उनकी छाती में दर्द शुरू हुआ। परिजनों ने उन्हें स्थानीय चिकित्सक को दिखाया, जिसके बाद वह घर लौट आए। हालांकि कुछ समय बाद जब वह भोजन कर रहे थे, तभी उन्हें दोबारा तेज दर्द उठा। स्थिति बिगड़ने पर परिजन उन्हें तत्काल मोदीनगर के एक निजी चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार उनकी मृत्यु का कारण हृदय गति रुकना था। पेप्सी शर्मा रागनी जगत का जाना पहचाना नाम थे। उन्होंने अपने गायन और मंचीय प्रस्तुतियों के जरिए उत्तर प्रदेश, हरियाणा और आसपास के राज्यों में विशेष पहचान बनाई थी। हरियाणा की प्रसिद्ध रागनी गायिका एवं चर्चित डांसर सपना चौधरी के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब सराहा। दोनों ने अनेक मंचों पर एक साथ प्रस्तुतियां दीं और दर्शकों से भरपूर तालियां बटोरीं। उनकी सबसे चर्चित प्रस्तुतियों में से एक नागिन डांस प्रतियोगिता भी रही, जिसमें मंच पर सपना चौधरी और पेप्सी शर्मा आमने सामने नजर आए थे। इस प्रस्तुति को दर्शकों ने बेहद पसंद किया और बताया जाता है कि इसके वीडियो को यूट्यूब पर करोड़ों लोगों ने देखा। इस कार्यक्रम के बाद उनकी लोकप्रियता में और अधिक वृद्धि हुई थी। पेप्सी शर्मा के भाई ऋषिपाल शर्मा ने बताया कि उनकी अंतिम मंचीय प्रस्तुति 28 मई को हापुड़ में आयोजित एक कार्यक्रम में हुई थी। वह लगातार सांस्कृतिक आयोजनों और रागनी कार्यक्रमों में सक्रिय थे तथा आने वाले समय में भी कई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले थे। उनके असामयिक निधन से रागनी जगत को गहरा आघात पहुंचा है। क्षेत्र के कलाकारों, सांस्कृतिक संगठनों और प्रशंसकों ने शोक व्यक्त करते हुए इसे लोक संस्कृति के लिए बड़ी क्षति बताया है। ग्रामीणों का कहना है कि पेप्सी शर्मा अपनी सरलता, मिलनसार स्वभाव और बेहतरीन गायकी के कारण लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय थे। उनके निधन से कला और संस्कृति जगत में एक ऐसा खालीपन पैदा हुआ है, जिसे भर पाना आसान नहीं होगा।

नोएडा में खुले में शराब पीते 343 लोग गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर (शिखर समाचार)। । खुले और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार रात सेंट्रल नोएडा पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 343 लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। यह अभियान लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर चलाया जा रहा है।

संबंध विच्छेद

मैं श्रीमती लोकेश देवी पत्नी अशोक निवासी मकान नं 14, मंगल बाजार मार्ग, अकबरपुर बेहरामपुर, थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक, जनपद गाजियाबाद यह सार्वजनिक रूप से घोषित करती हूँ कि मैं अपने पुत्र मनोज व पुत्रवधू ललिता के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उनसे अपने समस्त पारिवारिक संबंध विच्छेद करती हूँ तथा उन्हें अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करती हूँ। अत: भविष्य में मनोज व ललिता द्वारा किए गए किसी भी कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे और उससे मेरा किसी प्रकार का कोई संबंध नहीं रहेगा।
द्वारा मुमताज मोहम्मद अधिवक्ता

संक्षिप्त समाचार

मॉल, होटलों और रेस्टोरेंट की लिफ्टों का नहीं है रजिस्ट्रेशन

अलीगढ़, एजेंसी। एडीए वीसी कुलदीप मीणा के कड़े रुख के बाद ओएसडी अतुल आनंद के नेतृत्व में चली इस औचक जांच ने शहर के नामी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों की पोल खोलकर रख दी है। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण के मुताबिक मैरिस रोड स्थित पाम ट्री होटल में लिफ्ट की जांच के दौरान होटल प्रबंधन पंजीकरण के दस्तावेज दिखाने में नाकाम रहा। उन्होंने केवल सालाना रखरखाव के कागज दिखाए, जो कानूनन नाकाफी हैं। इसके अलावा मैरिस प्वाइंट रेस्टोरेंट में लिफ्ट चलती हुई मिली, लेकिन प्रबंधन के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था। सिटी सेंटर मॉल में भी प्रबंधन सिर्फ मेंटेनेंस के कागजात ही पेश कर सका। सेंटर प्वाइंट चौराहे के पास स्थित टाउन हॉल कॉम्प्लेक्स में भी कोई पंजीकरण दस्तावेज नहीं मिला। एडीए की टीम ने इन चारों प्रतिष्ठानों के प्रबंधकों को मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई और अंतिम चेतावनी जारी की है। इस दौरान एडीए टीम में ओएसडी अतुल आनंद के साथ जूनियर इंजीनियर (जेई) मनोज शर्मा और विश्वजीत मुख्य रूप से शामिल रहे।

हाईवे पर शराब से लदी डीसीएम और ट्रक की भिड़ंत, चालक की मौत

लखनऊ, एजेंसी। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रायबरेली-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगौली गांव के पास रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। हाईवे पर चल रहे बाइपास निर्माण कार्य के कारण यातायात को डायवर्जन मार्ग से एक ही लेन पर चलाया जा रहा था। इसी दौरान अयोध्या से रायबरेली जा रही शराब लदी डीसीएम और सामने से आ रहे ट्रक में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि डीसीएम के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चालक राहुल यादव (26 वर्ष, निवासी खुशामतपुर, मऊ) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डीसीएम में लदी देसी शराब की पेटियां सड़क पर बिखर गईं, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना पर पहुंची जगदीशपुर पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव को वाहन से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर मार्ग सुचारु करा दिया गया है। जगदीशपुर के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है और फरार ट्रक चालक की तलाश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्लॉट खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, आगरा में युवक संग हुआ बड़ा धोखा

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना हरीपर्वत में कमलानगर निवासी युवक ने पांच लोगों पर प्लॉट दिलाने के नाम पर 48 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कमला नगर निवासी संजय दिवाकर ने पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि संजय प्लेस स्थित एसबीएनएल वर्ल्ड के संचालक सत्य प्रकाश तित्तल, विक्रांत कुमार, युवराज सिंह, राहुल कुमार व विशाल तित्तल ने फतेहाबाद की नारायणी धाम सोसायटी में प्लॉट दिलाने का झांसा दिया। दो वर्षों में आरोपियों ने 48 लाख रुपये ले लिए। आरोपियों ने प्लॉट की कीमत 50 लाख रुपये बताई थी। 29 जनवरी को आरोपियों के संजय प्लेस स्थित ऑफिस पहुंचने पर पता चला कि 30-40 अन्य लोगों से भी इसी तरह लाखों रुपये लिए गए हैं। थाना प्रभारी हरीपर्वत ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नयनसर फ्लाईओवर के भार सहन क्षमता का परीक्षण शुरू

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर नयनसर के पास बने सिक्सलेन फ्लाईओवर के नीचे बने अंडरपास की छत में लगभग तीन महीने पहले दरारें दिखाई दी थीं। अब उसके भार सहन क्षमता की गहन जांच शुरू कर दी गई है। यह जांच छह दिनों तक चलेगी। इसके चलते शुक्रवार देर रात बैरिकेडिंग कर अंडरपास से आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया। बताते हैं कि शुक्रवार को अंडरपास की छत कुछ मिलीमीटर काटी गई, हथौड़ी से टेस्ट करके और विशेष उपकरण ठोककर प्रारंभिक गुणवत्ता जांच की गई। इसके बाद कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने अभियंताओं की मदद से छत की दरारें विशेष केमिकल से भर दिया और उसे पेंट कर दिया। इस दौरान अंडरपास की छत में कई तरह के सेंसर लगाए गए जिनमें स्ट्रेन गेज सेंसर, विस्थापन सेंसर और लोड सेल शामिल हैं। ये सेंसर संरचना पर पड़ने वाले तनाव, कंपन और विक्षेपण को रियल टाइम माप रहे हैं। वहीं अस्थायी लोहे के खंभे लगाए गए हैं। इसके बाद लोडेड और खाली ट्रक फ्लाई ओवर के ऊपर खड़े करके और चलाकर स्थैतिक व गतिशील दोनों तरह के लोड टेस्ट किए जा रहे है। एनएचएआई की तरफ से इस भार परीक्षण का समय-समय पर निगरानी किया जा रहा है। मौके पर मौजूद अभियंता अंबुज कुमार गुप्ता ने बताया कि भार परीक्षण किया जा रहा है। विभिन्न मानकों के अनुरूप सभी जांचें की जा रही हैं।

प्रदेश में भीषण गर्मी की वापसी

नौ से 11 जून तक इन जिलों में चलेगी लू, 6 डिग्री तक चढ़ेगा पारा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बीते कई दिनों के मौसमी उतार-चढ़ाव के बाद अब तपिश भरे दिन लौटेंगे। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में प्रदेश भर में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान जताया है।

रविवार से पूरे प्रदेश में पारा धीरे-धीरे चढ़ना शुरू होगा। मंगलवार से 9 जून से 11 जून के दौरान उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में लू चलने की आशंका है। शनिवार को प्रदेश के बुंदेलखंड और दक्षिणी जिलों में तपिश तथा तीखी धूप का प्रकोप रहा। वहीं पूर्वांचल और तराई के कुछ जिलों में सुबह बादलों की आवाजाही के साथ तेज हवाएं चलीं।

शनिवार को झांसी 45.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। बांदा, उरई, फतेहपुर और वाराणसी में भी गर्मी का असर तीखा बना रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में अब मौसम शुष्क रहेगा और तपिश भरे दिनों की वापसी होगी।

तपिश बढ़ी, दो दिन बाद लू के आसार

राजधानी में शनिवार को तपिश और उमस भरी हवा ने परेशान किया। तीखी धूप में देर तक टिकना मुश्किल हो रहा था। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा और धीरे-धीरे गर्मी बढ़ेगी। पांच दिन में अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। 10 जून को लखनऊ में लू के थपेड़े चलने का पूर्वानुमान है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक नौ जून से गर्म हवाएं चलेंगी। शनिवार को अधिकतम तापमान 0.3 डिग्री की बढ़त के साथ 38.4 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान एक डिग्री की बढ़त के साथ 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

सर्वाधिक तापमान वाले जिले

झांसी में 42.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बांदा में 42.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। उरई में 41.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। फतेहपुर में भी 41.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। वाराणसी में 41.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा की तैयारियां तेज, जनकल्याण मेलों से लेकर जनसंवाद तक होंगे विविध कार्यक्रम

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर सोमवार को आयोजित बैठक में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए संयोजक टोली के साथ चर्चा कर जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गईं। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर पार्टी द्वारा जनसंपर्क और जनकल्याण से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों की शुरूआत 5 जून को वृक्षारोपण अभियान से हो चुकी है। आगामी 11 से 14 जून तक मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 14 से 16 जून तक जनपद के सभी विकास खंडों में तीन दिवसीय जनकल्याण मेलों का आयोजन किया जाएगा। इन मेलों में विभिन्न विभागों के अधिकारी भाग लेकर केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करेंगे। रामजी लाल कश्यप ने बताया कि 16 और 17 जून को समाजसेवियों, चिकित्सकों, उद्यमियों, लाभार्थियों तथा अन्य सम्मानित नागरिकों के साथ विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश विषय पर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 18 से 20 जून तक युवा, महिला एवं गरीब कल्याण को समर्पित केंद्र सरकार की उपलब्धियों तथा प्रदेश सरकार की प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजनाओं, आध्यात्मिक केंद्रों के विकास और आंतरिक सुरक्षा सुधारों पर आधारित प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इसके अलावा 18 और 19 जून को प्राकृतिक एवं प्रगतिशील खेती विषयक कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें प्राकृतिक खाद, जैविक बीज, कीटनाशक, स्थानीय कृषि उत्पाद तथा आधुनिक सिंचाई तकनीकों से संबंधित प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे और किसानों को नवीन कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जाएगी। बैठक में राजेश मलिक, अभय तोमर, राजेंद्र मादलपुर, पुनीत द्विवेदी, पीयूष सैनी, बृजेश वाल्मीकि, पंकज गुप्ता, सतपाल चौहान और भूपेंद्र चौधरी सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला शिक्षिकाओं की समस्याओं पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बीएसए से की मुलाकात

शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ महिला प्रकोष्ठ की जिला इकाई ने सोमवार को नव नियुक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से शिष्टाचार भेंट कर शिक्षक हितों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से महिला शिक्षिकाओं के अवकाश संबंधी मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की।

महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष रश्मि वर्मा और जिला महामंत्री रश्मि चौधरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान महिला शिक्षिकाओं को बाल्य देखभाल अवकाश (सीसीएल) तथा गर्भपात अवकाश प्राप्त करने में आने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि महिला शिक्षिकाओं को इन अवकाशों का लाभ बिना किसी अनावश्यक बाधा के सुगमता से उपलब्ध कराया जाए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए विभाग संवेदनशील है और नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की वरिष्ठ उपाध्यक्ष शाइस्ता, कुसुमलता, उपाध्यक्ष रेश्मा, गरिमा, संयुक्त मंत्री पिंकी सिंह, मीडिया प्रभारी साक्षी सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्ण संपन्न, 11 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच हुई परीक्षा

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में सोमवार से शुरू हुई पुलिस भर्ती परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। जिले में बनाए गए 11 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को कड़ी जांच, तलाशी, तापमान परीक्षण तथा नेत्र स्कैनिंग के बाद ही प्रवेश दिया गया। पूरी परीक्षा प्रक्रिया पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी गई। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गई। इसके लिए सुबह 8 बजे से ही अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रारंभ कर दिया गया था। परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें देखने को मिलीं। अभ्यर्थियों की गहन जांच-पड़ताल के बाद ही उन्हें परीक्षा कक्षों में प्रवेश दिया गया। किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित वस्तु को केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। दूसरे जनपदों से पहुंचे कई अभ्यर्थी समय पर केंद्र तक पहुंचने के लिए दौड़ते हुए नजर आए। पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने हिन्दू कन्या इंटर कॉलेज, वी.वी. इंटर कॉलेज तथा ब्रिगेडियर होशियार सिंह इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता बरतने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न करने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जबकि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं।

प्रथम पाली में पंजीकृत 4,392 अभ्यर्थियों में से 3,621 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 771 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की गई। इसमें पंजीकृत 4,392 अभ्यर्थियों में से 3,691 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 701 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

जिलाधिकारी आलोक यादव ने भी विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के निर्देश दिए। दोनों पालियों को मिलाकर कुल 8,784 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 7,312 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 1,472 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन ने परीक्षा को पूरी तरह शांतिपूर्ण, पारदर्शी और नकलविहीन बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है।

सराहनीय कार्य के लिए यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने तीन अधिकारियों को किया सम्मानित

बिजनौर (शिखर समाचार)। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने जनपद में उत्कृष्ट एवं जनहितकारी कार्य करने वाले तीन प्रशासनिक अधिकारियों को सम्मानित किया। यूनियन की ओर से वरिष्ठ पत्रकार राज नारायण कौशिक और आबिद रजा ने अधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मान प्रदान किया। यूनियन के जिला अध्यक्ष ज्योति लाल शर्मा ने बताया कि सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों के चयन के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया था। समिति ने विभिन्न स्तरों पर जांच और मूल्यांकन के बाद नगर पालिका परिषद बिजनौर के अधिशासी अधिकारी विकास कुमार, सदर तहसीलदार आशीष सक्सेना तथा जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी विकास मिश्रा को उत्कृष्ट कार्य करने वाला अधिकारी चुना। सम्मान समारोह के दौरान वरिष्ठ पत्रकार राज नारायण कौशिक और आबिद रजा ने तीनों अधिकारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि समाज और जनहित में समर्पित भाव से कार्य करने वाले अधिकारियों का उत्साहवर्धन करने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान न केवल अधिकारियों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि प्रशासन और समाज के बीच सकारात्मक संबंधों को भी मजबूत बनाते हैं।

मुख्तार अंसारी के कुर्क गजल होटल की जमीन पर अभिषेक का दावा, कहा- मुझे धमकाया गया

वाराणसी एजेंसी। मुख्तार अंसारी से संबंधित कुर्क संपत्ति के मामले में शनिवार को एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। विशेष न्यायाधीश शक्ति सिंह की अदालत में एक नए दावेदार ने भूमि पर अपना स्वामित्व बताते हुए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पक्षों को प्रार्थना पत्र की प्रति उपलब्ध कराने और लिखित आपत्तियां दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 27 जून को होगी।

सुनवाई के दौरान अभिषेक अग्रवाल ने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर दावा किया कि महुआबाग (मुहम्मद पट्टी) स्थित जिस भूमि को कुर्क संपत्ति के रूप में देखा जा रहा है, वह उनकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त भूमि को छल, कपट और धोखाधड़ी के माध्यम से मुख्तार अंसारी के नाम दर्ज कराया गया था। इस प्रक्रिया में कुछ राजस्व

अधिकारियों की भी भूमिका और साजिश होने का आरोप लगाया गया है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि भूमि का नामांतरण फर्जी तरीके से कराया गया और बाद में उस पर गजल होटल का निर्माण किया गया। अभिषेक अग्रवाल का आरोप है कि उन्हें डरा-धमकाकर भूमि से जुड़े कार्य कराए गए और उनकी संपत्ति को अवैधानिक रूप से हड़पने का प्रयास किया गया। उन्होंने अदालत से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और अपने स्वामित्व के दावे पर विचार करने की मांग की।

अदालत ने सुनवाई के दौरान यह भी उल्लेख किया कि इस संपत्ति पर स्वामित्व को लेकर अब तक तीन अलग-अलग दावे सामने आ चुके हैं।

अति पिछड़ा वर्ग संसद का गठन, सुमित प्रजापति बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। अति पिछड़े समाज के राजनीतिक, सामाजिक एवं संवैधानिक अधिकारों को लेकर खतौली में आयोजित एक महत्वपूर्ण सभा में सर्वसम्मति से अति पिछड़ा वर्ग संसद के गठन का निर्णय लिया गया। समाज के विभिन्न वर्गों से आए प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और कार्यकताओं ने सुमित प्रजापति को अति पिछड़ा वर्ग संसद का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। इस दौरान समाज की भागीदारी, संगठन और अधिकारों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा हुकुम सिंह आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग भी जोरदार ढंग से उठाई गई। सभा के मुख्य अतिथि एवं उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता आर.आर. बाग ने कहा कि देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए अति पिछड़े समाज की प्रभावी राजनीतिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों, सामाजिक न्याय, शिक्षा, संगठन और

राजनीतिक जागरूकता के माध्यम से ही समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने युवाओं से नेतृत्व की भूमिका निभाने और समाज को संगठित करने का आह्वान करते हुए कहा कि जब तक अति पिछड़ा समाज अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष नहीं करेगा, तब तक उसकी वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकेगी। आर.आर. बाग ने सरकार से हुकुम सिंह आयोग की रिपोर्ट को तत्काल लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इस रिपोर्ट के लागू होने से अति पिछड़े वर्ग को उसका उचित अधिकार और न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए राजनीतिक जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक एकता भी आवश्यक है।

सभा को संबोधित करते हुए भारतीय अति पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने कहा कि अति पिछड़े समाज को अपने सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए संगठित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने मिशन-2027 को समाज के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण अभियान बताते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता से घर-घर संपर्क कर लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है और इसी के बल पर अधिकारों की लड़ाई को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में राकेश प्रजापति, मोदी लाल प्रधान, मनोज प्रधान, देवेंद्र प्रजापति, गज प्रजापति, महेंद्र सिंह कश्यप, धनवीर कश्यप, विनोद सैनी, रविंद्र कुमार, संतराम, रमेश, रामपाल, राजेंद्र टिटौड़ा, सतीश कुमार, अशोक पाल, सुभाष (खोकनी), मनीष मीरापुर, पंकज कुमार, रवि कुमार, दिनेश पाल, सुनील प्रजापति, सौरभ प्रजापति, ईश्वर, प्रवेश कुमार, ओम प्रकाश, प्रवीण कुमार प्रजापति, सुशील कुमार सैनी, नरेश प्रजापति (पूर्व जयंती अध्यक्ष), पवन प्रजापति, सत्य कुमार, मोहन प्रजापति तथा सोनू प्रजापति (जानसठ) सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहीद नरेंद्र राठी की याद में बना भव्य स्मृति द्वार, भाकियू सुप्रीमो ने किया लोकार्पण

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कारगिल युद्ध में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद नरेंद्र राठी की 27वीं पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव इटावा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने शहीद नरेंद्र राठी की स्मृति में निर्मित भव्य स्मृति द्वार का लोकार्पण किया। पुण्यतिथि के अवसर पर इटावा गांव स्थित शहीद वाटिका में शहीद के परिजनों द्वारा हवन पूजन का आयोजन किया गया। हवन के उपरांत शहीद की पत्नी अनीता राठी, पुत्र सुमित राठी, पुत्रवधू निधि चौधरी तथा पुत्री सुरचना ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और भावनात्मक माहौल देखने को मिला। गांव के मुख्य प्रवेश मार्ग पर शहीद नरेंद्र राठी के नाम से भव्य स्मृति द्वार का निर्माण कराया गया है। इस स्मृति द्वार पर किसान नेता स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत तथा शहीद नरेंद्र राठी के चित्र अंकित किए गए हैं। स्मृति द्वार का लोकार्पण नरेश टिकैत और शहीद के परिजनों ने संयुक्त रूप से किया। उपस्थित लोगों ने इसे शहीद की स्मृतियों को सहेजने और नई पीढ़ी को देशभक्ति की प्रेरणा देने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर शहीद नरेंद्र राठी के पुत्र सुमित राठी ने कहा कि कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करते हुए उनके पिता ने जो बलिदान दिया, उसे परिवार, गांव और क्षेत्र के लोग कभी नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि शहीदों के सम्मान और उनकी स्मृतियों को जीवित रखना समाज का दायित्व है। कार्यक्रम में भाजपा नेता रामकुमार सहरावत, नरेश टिकैत, पूर्व चेयरमैन जितेंद्र त्यागी, संजय शर्मा, विपिन सहरावत, पूर्व प्रधान जयवीर सिंह, ओमबीर राठी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कारगिल युद्ध में दिया था सर्वोच्च बलिदान

शहीद नरेंद्र राठी भारतीय सेना की चौथी जाट रेजीमेंट में सिपाही के पद पर तैनात थे। 5 जून 1999 को कारगिल युद्ध के दौरान काक्सर सेक्टर में दुश्मनों से लोहा लेते हुए वह वीरगति को प्राप्त हुए थे। इससे पहले भी उन्होंने सेना के कई महत्वपूर्ण अभियानों में हिस्सा लेकर अपनी बहादुरी का परिचय दिया था। उनके शौर्य और बलिदान को आज भी क्षेत्र के लोग गर्व और सम्मान के साथ याद करते हैं।

यमुना प्राधिकरण की 90वीं बोर्ड बैठक में निवेश, आवास, हेरिटेज सिटी और फिल्म सिटी समेत कई अहम फैसले

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की 90वीं बोर्ड बैठक सोमवार को अध्यक्ष एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सदस्य सचिव राकेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों से संबंधित एजेंडा बिंदुओं को बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक में औद्योगिक निवेश, आवासीय योजनाओं, हेरिटेज सिटी, फिल्म सिटी, सात प्रतिशत आबादी भूखंड योजना और आधारभूत विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 31 मई तक प्राधिकरण की पूंजीगत प्राप्तियां 522.39 करोड़ रुपये थीं, जबकि 31 मई 2026 तक यह बढ़कर 745.85 करोड़ रुपये हो गईं। इस प्रकार प्राप्तियों में लगभग 43 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। बोर्ड ने सड़कों, सीवर, नालियों, पेयजल, विद्युत और उद्यानों के रखरखाव के लिए एक विशेष कोष बनाने का निर्णय लिया। इस कोष में लीज डीड, हस्तांतरण शुल्क, समय विस्तार शुल्क तथा अन्य राजस्व मदों से प्राप्त धनराशि जमा की जाएगी।

बैठक में क्षेत्र में स्थापित हो रही प्रमुख औद्योगिक इकाइयों एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड और इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड की लीज डीड प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया गया। विभिन्न औद्योगिक पार्कों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पार्क, हस्तशिल्प पार्क, टॉय पार्क, परिधान पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क सहित विभिन्न योजनाओं में कुल 1236 भूखंडों में से 1122 का आवंटन किया जा चुका है। इनमें 771 लीज डीड निष्पादित हो चुकी हैं और 92 इकाइयों को पूर्णता प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। प्रदेश सरकार के एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य के तहत आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 में यमुना प्राधिकरण को 30 हजार करोड़ रुपये निवेश का लक्ष्य दिया गया था। प्राधिकरण ने 30,885.69 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की। इसके अंतर्गत कुल 136 औद्योगिक इकाइयां शामिल हैं।

वर्ष 2025-26 और 2026-27 में विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 137 औद्योगिक भूखंड आवंटित किए गए हैं। इनमें पाइन वैली वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, टीआई मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड, हैवेल्स इंडिया लिमिटेड, असेंट के सर्किट प्राइवेट लिमिटेड, पॉलीनोमस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, पराग डेयरी, एसएईएल सोलर, मिंडा कॉर्प, एम्बर एंटरप्राइजेज इंडिया लिमिटेड, इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड, एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड, सीएनएच इंडस्ट्रियल, सन ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज, इंटीग्रेटेड बैटरिज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा सीईएससी ग्रीन पावर लिमिटेड जैसी कंपनियां शामिल हैं। सेक्टर-28 में 48 एकड़ क्षेत्र में स्थापित होने वाली इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड (एचसीएल-फॉक्सकॉन संयुक्त उपक्रम) की इकाई का शिलान्यास पहले ही किया जा चुका है। प्राधिकरण द्वारा अब तक कुल 3175 औद्योगिक भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इनमें से 2495 आवंटियों ने लीज डीड निष्पादित करा ली है। शेष मामलों में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराने के लिए समय विस्तार देने का निर्णय लिया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग को सेक्टर 33 स्थित 2000 वर्गमीटर भूखंड के संबंध में देय धनराशि जमा करने हेतु अतिरिक्त समय प्रदान किया गया। साथ ही सेक्टर-16, 17, 18, 20 और 22डी की आवासीय योजनाओं में लीज डीड करा चुके आवंटियों को भवन निर्माण के लिए 31 दिसंबर 2026 तक निशुल्क समय विस्तार देने का निर्णय लिया गया। लीज डीड न कराने वाले आवंटियों के लिए विलंब शुल्क की नई व्यवस्था भी स्वीकृत की गई। मथुरा की हेरिटेज सिटी परियोजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई। परियोजना के लिए तैयार बोली दस्तावेज का प्रस्तुतीकरण बोर्ड के समक्ष किया गया और आवश्यक संशोधनों के बाद इसे शासन को भेजने का निर्णय लिया गया। वहीं फिल्म सिटी परियोजना के संबंध में बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी के प्रतिनिधि बोनी कपूर और आशीष भूटानी ने बोर्ड को परियोजना की कार्ययोजना की जानकारी दी।

रहस्यमय बीमारी का कहर : दो मासूम भाई बहन की मौत, मां की हालत गंभीर

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बा रबूपुरा के मोहल्ला शांतिनगर में रहस्यमय बीमारी के चलते एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उल्टी दस्त की शिकायत के बाद मां और उसके दो बच्चों की हालत अचानक बिगड़ गई। उपचार के लिए उन्हें ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान आठ वर्षीय दीपांशी और पांच वर्षीय प्रिंस की मौत हो गई। वहीं उनकी मां रूबी की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना से परिवार और मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला शांतिनगर निवासी अनिल तोमर की पत्नी रूबी, बेटी दीपांशी और बेटा प्रिंस को शनिवार शाम भोजन करने के बाद उल्टी और दस्त की शिकायत हुई थी। परिजनों ने तीनों का स्थानीय चिकित्सक से उपचार कराया, जिससे उनकी हालत में कुछ सुधार हो गया था। इसके बाद सोमवार सुबह परिवार के सदस्यों ने नाश्ते में पास्ता और ब्रेड का सेवन किया। बताया गया कि नाश्ता करने के लगभग एक घंटे बाद रूबी, दीपांशी और प्रिंस की तबीयत फिर से बिगड़ गई और उन्हें लगातार उल्टियां होने लगीं। हालत गंभीर होते देख परिजन तीनों को तत्काल ग्रेटर नोएडा स्थित यथार्थ अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें भर्ती कर उपचार शुरू किया। उपचार के दौरान पहले दीपांशी की मौत हो गई, जबकि शाम तक प्रिंस ने भी दम तोड़ दिया। दोनों बच्चों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल में भर्ती रूबी की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले रूबी का यथार्थ अस्पताल में रसौली का शल्य चिकित्सा द्वारा ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद वह कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रही थीं और तीन दिन पहले ही घर लौटी थीं। इस दौरान दीपांशी और प्रिंस भी उनके साथ अस्पताल में रहे थे। परिवार को आशंका है कि अस्पताल में रहने के दौरान किसी संक्रमण की चपेट में आने से उनकी तबीयत खराब हुई हो सकती है। हालांकि प्रारंभिक तौर पर भोजन विषाक्तता की संभावना भी व्यक्त की जा रही है।

दो बच्चों की मौत की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। जेवर के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सर्फे जेया ने बताया कि विभागीय टीम को जांच के लिए भेज दिया गया है। जांच के बाद ही बीमारी और मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की पड़ताल कर रहा है।

10 जून से 20 जून तक बंद रहेगा मेरठ रोड फ्लाईओवर, हजारों लोगों की बढ़ेगी मुश्किलें, लागू होगा रूट डायवर्जन

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के मेरठ रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर मरम्मत कार्य के चलते 10 जून से 20 जून तक यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा पुल की मरम्मत के लिए यह निर्णय लिया गया है। पुल बंद होने से प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। यातायात सुचारु रखने के लिए प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित कर दिए हैं। मेरठ बुलंदशहर मार्ग पर स्थित यह फ्लाईओवर शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है। प्रतिदिन हजारों छोटे बड़े वाहन इसी मार्ग से गुजरते हैं। पुल बंद होने के कारण वाहन चालकों को लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की अतिरिक्त खपत होगी। नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों तथा स्कूली वाहनों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार पुल के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत लंबे समय से प्रस्तावित थी। पिछले वर्ष इसका प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। अब लगभग 35 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत होने के बाद मरम्मत कार्य शुरू कराया जा रहा है। विभाग का दावा है कि कार्य पूर्ण होने के बाद पुल पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगा। अधिशासी अभियंता शैलेंद्र सिंह ने बताया कि यातायात पुलिस को डायवर्जन योजना की जानकारी दे दी गई है। मेरठ से हापुड़ आने जाने वाले वाहन मवाना किठौर मार्ग होते हुए एनएच 09 के ततारपुर चौराहे से गुजरेंगे। वहीं मोदीनगर से हापुड़ आने वाले वाहन भोजपुर पिलखुवा मार्ग का उपयोग करेंगे। प्रशासन ने लोगों से यात्रा से पहले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी लेने की अपील की है। फ्लाईओवर बंद होने का सबसे अधिक असर मेरठ रोड क्षेत्र की कॉलोनियों और गांवों पर पड़ेगा। असौड़ा, कृष्णानगर, पंचशील कॉलोनी, आवास विकास कॉलोनी, जसरूपनगर, आदर्श नगर, चंद्रलोक कॉलोनी, मोती कॉलोनी और मधुबन कॉलोनी के हजारों निवासी प्रतिदिन इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। राहत के तौर पर दोपहिया वाहन चालक आवास विकास स्थित रेलवे पुल से होकर शहर में प्रवेश कर सकते हैं। इसके अलावा जेडी पब्लिक स्कूल के सामने से ब्रेनवेव्स स्कूल और जसरूपनगर होते हुए मोदीनगर रोड तक पहुंचा जा सकता है। दिल्ली रोड से रामलीला मैदान होते हुए भी वैकल्पिक रूप से शहर में प्रवेश संभव रहेगा। हालांकि अगले दस दिनों तक लोगों को अतिरिक्त समय और सावधानी के साथ यात्रा करनी होगी।

व्यापारियों की समस्याएं सुनकर जीएसटी अधिकारियों ने दिया समाधान का भरोसा

जेवर (शिखर समाचार)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग द्वारा सोमवार को जेवर में व्यापारियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें व्यापारियों को कर संबंधी नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी देने के साथ साथ उनकी समस्याओं को भी सुना गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय माहेश्वरी ने की तथा संचालन महासचिव कुलदीप पंडित ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त मदनलाल और राज्य कर अधिकारी मानवेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने व्यापारियों को वस्तु एवं सेवा कर से जुड़े विभिन्न प्रावधानों, रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया, कर भुगतान तथा विभागीय नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की जागरूकता बढ़ाने और कर व्यवस्था को सरल बनाने के लिए इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं। अधिकारियों ने व्यापारियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें नियमों के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

संवाद कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों ने विभाग से संबंधित विभिन्न समस्याओं और व्यावहारिक कठिनाइयों को अधिकारियों के समक्ष रखा। इस दौरान कई व्यापारियों ने तकनीकी समस्याओं, कर निर्धारण और अन्य विभागीय प्रक्रियाओं से जुड़ी परेशानियों से अधिकारियों को अवगत कराया। अधिकारियों ने कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दिया, जबकि अन्य समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाकर उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के संरक्षक जैनेंद्र जैन ने कहा कि व्यापारियों और विभाग के बीच इस प्रकार का सीधा संवाद अत्यंत आवश्यक है। इससे व्यापारियों में जागरूकता बढ़ती है और उनकी समस्याओं का समाधान भी शीघ्र हो जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए ताकि व्यापारियों और विभाग के बीच बेहतर समन्वय बना रहे। कार्यक्रम में संयोजक नरेंद्र गोयल, अनिल गोयल, पवन शर्मा, अब्दुल हमीद, पुनीत गर्ग, सोनू, विपिन, सचिन, दीपक, यतिश, जयप्रकाश, राजेश, ललित, सुरेंद्र, रजनेश, उदयवीर, विकास, आयुष, गौरव सहित सैकड़ों व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में व्यापारियों ने विभाग की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की।

हिंडन पुल पर सड़क की मैस्टिक का कार्य आज से शुरू, एक-एक लेन पर होगा काम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग हिंडन पुल पर सड़क की मैस्टिक बिछाने और मरम्मत का कार्य मंगलवार से शुरू किया जा रहा है। इस दौरान पुल पर एक-एक लेन में कार्य किया जाएगा, जिससे यातायात प्रभावित हो सकता है। प्राधिकरण ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने और सहयोग करने की अपील की है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अनुसार हिंडन पुल पर दोनों दिशाओं में सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। चार मूर्ति चौक से नोएडा की ओर जाने वाले मार्ग तथा नोएडा से चार मूर्ति चौक की ओर आने वाले हिस्से में सड़क टूटने के कारण मरम्मत की आवश्यकता महसूस की गई। इसी को देखते हुए सड़क पर मैस्टिक का कार्य कराया जा रहा है। वर्तमान में चार मूर्ति चौक पर अंडरपास निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन.जी. रवि कुमार की मंशा है कि अंडरपास निर्माण के साथ-साथ हिंडन पुल की सड़क मरम्मत का कार्य भी पूरा कर लिया जाए, ताकि भविष्य में इस मार्ग पर यातायात अधिक सुगम और सुरक्षित हो सके। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के कार्य वत्त-7 की ओर से इस कार्य को मंगलवार से शुरू कराया जा रहा है। यातायात पुलिस के सुझाव पर पहले चरण में नोएडा से चार मूर्ति चौक की ओर आने वाली दिशा की एक लेन पर कार्य किया जाएगा। मरम्मत के दौरान संबंधित लेन वाहनों के लिए बंद रहेगी। सोमवार को इस व्यवस्था का परीक्षण भी किया गया। अधिकारियों के अनुसार एक लेन का कार्य पूरा होने के बाद दूसरी लेन पर मरम्मत और मैस्टिक बिछाने का काम किया जाएगा। इस प्रकार चरणबद्ध तरीके से पूरा कार्य लगभग डेढ़ माह में संपन्न होने की संभावना है। प्राधिकरण के महाप्रबंधक (परियोजना) ए.के. सिंह ने बताया कि सड़क की स्थिति को देखते हुए मैस्टिक कार्य कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही वाहन चालकों से अपील की कि वे निर्माण कार्य के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित मार्गदर्शन का अनुसरण करें और प्रशासन का सहयोग करें, जिससे कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सके तथा किसी प्रकार की असुविधा को न्यूनतम रखा जा सके।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सोमवार को करप्शन फ्री इंडिया संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने यमुना एक्सप्रेसवे के अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। संगठन ने प्रभावित किसानों के लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने की मांग उठाई। प्रदेश महासचिव मास्टर दिनेश नागर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल मैनेजर अनुज चौधरी एवं सहायक महाप्रबंधक जेके शर्मा से वार्ता की। इस दौरान उन्हें सौंपे गए ज्ञापन में यमुना एक्सप्रेसवे से प्रभावित किसानों को 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा, आबादी एवं प्लॉट संबंधी समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग की गई। ज्ञापन में यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट से आगरा तक सर्विस रोड के निर्माण एवं जीर्णोद्धार, क्षतिग्रस्त और टूटी सड़कों की मरम्मत तथा स्थानीय किसानों और क्षेत्रवासियों की अन्य जनसमस्याओं के समाधान की भी मांग की गई। मास्टर दिनेश नागर ने कहा कि किसानों की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस पर टोल मैनेजर अनुज चौधरी और सहायक महाप्रबंधक जेके शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रेम प्रधान, कुलबीर भाटी, हरेंद्र कसाना, गौरव भाटी, राकेश नागर, लखमी पंडित, जग्गू प्रमुख, रिंकू बैंसला, रोहतास नागर सहित संगठन के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छपरौला दादरी औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। छपरौला-दादरी औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव, जल निकासी, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य बुनियादी समस्याओं के समाधान को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ छपरौला दादरी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 91 पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा ड्रेनेज निर्माण कार्य में हो रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि ड्रेनेज कार्य समय पर पूरा न होने के कारण औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे उद्योगों के संचालन और व्यापारिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की भी जानकारी जिलाधिकारी को दी गई।

जिलाधिकारी ने उद्योग प्रतिनिधियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों और व्यापारिक गतिविधियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने एनएचएआई, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि व्यापारिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी लंबित कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। साथ ही उद्योगों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों और उद्यमियों के बीच नियमित संवाद बनाए रखने पर भी जोर दिया।

बैठक के दौरान नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (परियोजना) की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। वहीं उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के अधिशासी अभियंता के बैठक में अनुपस्थित रहने को गंभीरता से लेते हुए उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी (भू-अर्जन) बच्चू सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा छपरौला दादरी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कर उद्योगों के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

शाहपुर पुलिस ने 25.33 किलो डोडा पाउडर के साथ चार तस्करों को दबोचा

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (राष्ट्रीय शिखर)। शाहपुर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार, 25.33 किलोग्राम डोडा पाउडर तथा एक पिट्ठू बैग बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ तस्कर ग्राम खतौला मोड़ की ओर से अवैध मादक पदार्थ लेकर आने वाले हैं। सूचना के आधार पर शाहपुर पुलिस ने क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान ग्राम मांडी की ओर से एक कार आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रुकने का संकेत दिया, लेकिन कार सवार पुलिस को देखकर वाहन मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने तत्काल पीछा कर घेराबंदी की और खतौला मोड़ के निकट कुटबा कुटबी मार्ग पर आवश्यक बल प्रयोग करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 25.33 किलोग्राम अवैध डोडा पाउडर, स्विफ्ट कार संख्या डीएल 01सीएजी-3856 तथा एक पिट्ठू बैग बरामद हुआ। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान पवन पुत्र चंद उपसरिया निवासी ग्राम सिखेड़ा थाना सिखेड़ा, विपिन पुत्र बलजोत सिंह निवासी ग्राम आदमपुर थाना शाहपुर, अमित कुमार पुत्र हरी सिंह निवासी ग्राम सावली थाना नई मंडी तथा मनीष पुत्र अजीत निवासी ग्राम आदमपुर थाना शाहपुर, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने बरामद डोडा पाउडर राजस्थान के चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति से खरीदा था। इसके बाद वे इसे विभिन्न स्थानों पर राह चलते लोगों को बेचकर अवैध लाभ कमाते थे। सोमवार को भी वे इसी उद्देश्य से डोडा पाउडर की खेप लेकर निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त पवन के खिलाफ विभिन्न थानों में आधा दर्जन मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। इस कार्रवाई को सफल बनाने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अभिषेक गुप्ता, उपनिरीक्षक अनिकेत धारीवाल, मुख्य आरक्षी प्रेमचंद, मोहम्मद आलीम, शिवम यादव, सोमवीर तथा चंद्रवीर शामिल रहे। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की सराहना करते हुए उन्हें शाबाशी दी है।

गोविंदा मॉर्निंग क्लब ने मनाया राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ मित्र दिवस

बिजनौर (शिखर समाचार)। गोविंदा मॉर्निंग क्लब द्वारा सोमवार को नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रातःकालीन भ्रमण एवं योगाभ्यास के उपरांत राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ मित्र दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने मित्रता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए तथा आपसी अनुभव साझा किए।

गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में मित्र ही ऐसा रिश्ता है जो सुख-दुख की हर परिस्थिति में साथ खड़ा रहता है और निस्वार्थ भाव से सहयोग करता है। उन्होंने कहा कि सर्वश्रेष्ठ मित्र दिवस केवल एक दिन तक सीमित न रहकर पूरे वर्ष मित्रता, सद्भाव और आपसी विश्वास को मजबूत करने का संदेश देता रहना चाहिए। वक्ताओं ने मित्रता को जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए इसे निरंतर सहेजने और मजबूत बनाए रखने पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान सभी मित्रों ने आपसी सौहार्द के साथ कुल्हड़ वाली चाय का आनंद लिया तथा मित्रता को और अधिक प्रगाढ़ बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राकेश कुमार शर्मा, डॉ. प्रमोद कुमार गंज वाले, सेवानिवत्त पुलिस उपाधीक्षक एम.पी. सिंह, अभियंता चरण सिंह, कमल मेडिकल स्टोर के स्वामी राकेश कुमार रस्तोगी, कमल वीर सिंह, वीरेंद्र कुमार वर्मा, सेवानिवत्त बैंक प्रबंधक आशाराम सिंह, संजीव कुमार बिश्नोई, सेवानिवत्त प्रधानाचार्य दिनेश चौहान, अशोक कुमार यादव, संजीव कुमार शर्मा, देवेश कुमार, अवनीश ठाकुर, अधिवक्ता गणेश ठाकुर, संजीव अग्रवाल, अधिवक्ता मुकुल राठौर, सेवानिवत्त पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार सिंह, विपिन अग्रवाल, रतिराम सिंह, सेवानिवत्त पुलिस निरीक्षक रामेंद्र सिंह, अधिवक्ता राजीव चौहान तथा के.पी. सिंह फौजी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन, तंबाकू उन्मूलन पर दिया गया विशेष बल

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव स्वाति चंद्रा ने की, जबकि संचालन डॉ. समीर भटनागर ने किया। शिविर को संबोधित करते हुए स्वाति चंद्रा ने तंबाकू उन्मूलन पर विशेष जोर दिया और कर्मचारियों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि देश में तंबाकू उत्पादों के सेवन को पूरी तरह समाप्त करना स्वास्थ्य और समाज दोनों के हित में अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सरकार और समाज मिलकर जागरूकता अभियान चला रहे हैं तथा विभिन्न कानूनी प्रावधानों के माध्यम से प्रतिबंधों को प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि एसिड अटैक पीड़ितों को सहायता, बाल हितैषी कानूनी सेवाएं योजना-2024, मानव तस्करी एवं व्यावसायिक शोषण के विरुद्ध कानूनी सहायता जैसी सुविधाएं जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही उन्होंने नालसा के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता प्रवीण सिंह देशवाल ने निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निकोटीन की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, सामाजिक जीवन और आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव डालती है। तंबाकू सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, दमा तथा हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी कौलेन्द्र सिंह, उप मुख्य चिकित्साधिकारी के.पी. सिंह, आर.पी. विश्वकर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी फारूक अजीज, डॉ. प्रीतक किशोर, मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के कर्मचारी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक घनश्याम जुयाल सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

तृणमूल में भूचाल : क्या भारतीय राजनीति नए पुनसंयीजन के दौर में प्रवेश कर रही है?

भारतीय राजनीति में कुछ घटनाएं केवल दलगत बदलाव नहीं होतीं, बल्कि वे व्यापक राजनीतिक प्रवृत्तियों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती हैं। 8 जून 2026 को सामने आई खबर, जिसमें तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लगभग 20 सांसदों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने की इच्छा जताई गई है, ऐसी ही एक महत्वपूर्ण घटना है। टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने स्वयं इस कदम की पुष्टि करते हुए कहा है कि उनके सहित करीब 20 सांसदों ने एनडीए के साथ जाने का निर्णय लिया है। यदि यह घटनाक्रम अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचता है, तो यह केवल ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विपक्षी राजनीतिक परिदृश्य के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से व्यक्तित्व आधारित नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही है। ममता बनर्जी ने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का निर्माण किया और उसे राज्य की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति बनाया। लेकिन किसी भी राजनीतिक संगठन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब उसे सत्ता विरोधी माहौल, चुनावी झटकों और आंतरिक असंतोष का सामना करना पड़ता है। हाल के समय में टीएमसी के भीतर जिस प्रकार असहमति खुलकर सामने आई है, उसने पार्टी की आंतरिक संरचना और नेतृत्व शैली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व में सांसदों के एक बड़े समूह ने न केवल एनडीए को समर्थन देने की इच्छा जताई है, बल्कि वे स्वयं को एक अलग संसदीय समूह के रूप में स्थापित करने की रणनीति पर भी विचार कर रहे हैं। राजनीतिक दृष्टि से यह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यदि किसी दल के दो-तिहाई सांसद अलग रुख अपनाते हैं तो दल बदल कानून के तहत उन्हें कुछ हद तक कानूनी सुरक्षा मिल सकती है। यही कारण है कि इस घटनाक्रम को साधारण असंतोष नहीं, बल्कि संगठित राजनीतिक विद्रोह के रूप में देखा जा रहा है। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह उस समय सामने आया है जब विपक्ष राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ एकजुटता की रणनीति बनाने का प्रयास कर रहा है। ममता बनर्जी स्वयं दिल्ली में विपक्षी दलों की बैठकों और राजनीतिक विमर्श का हिस्सा रही हैं। ऐसे समय में उनकी पार्टी के सांसदों का इस प्रकार का कदम विपक्षी एकता की अवधारणा को कमजोर करता है। विपक्ष के सामने पहले ही नेतृत्व, साझा एजेंडा और जनविश्वास जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। अब यदि प्रमुख क्षेत्रीय दलों के भीतर ही अस्थिरता बढ़ती है, तो राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी विकल्प प्रस्तुत करना और कठिन हो जाएगा।

~ मौलिक चिंतन ~

सच्ची पहचान उपाधियों से नहीं, बल्कि ज्ञान, संवेदना और चरित्र से होती है।

~~~~~~~~

©
विनय संकोची

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा

एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवसः अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशाः अभिलेखागार

सुनील कुमार महला

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान करने वाले धरती आवा बिरसा मुंडा

कुमार कृष्णन

बिरसा मुंडा अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

नौ जून बिरसा मुंडा का वलिदान दिवस है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

धरती आबा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया। गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतंर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा.-सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओ' का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त 'आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -'महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा।

1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तित्व निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शमिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांड से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किय और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की ओर उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया । ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जरिया बना । उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आबाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरितियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है।सार्थक जीवन के लिये सामिष भोजन अथवा मांस-मछली

का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा।

बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजूट बिरसइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -' सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार विरसा को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया।16 अगस्त 1895 को गिरफतार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढ़ंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान कर दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खूंटी कर दिया गया, लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भाद्रवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। 1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जूझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छुटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरवरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवंदी षुरू हुई। कोलेबिरा, बानो लोहरदग्गा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खूंटी, मुरहु, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई।24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खूंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालो मुंडा- मानकियों को गिरफ्तार करने व आत्मसमर्पण न करनेवाले विद्रोहियों की घर -सम्पत्ति कुर्क करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जाने लगा। सरकार ने बिरसा की सूचना देनेवालों और गिरफ्तारी में मदद देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपयें पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है। 1942 में महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।

बिरसा के नेतृत्व में अफसरों, पुलिस, अंग्रेज सरकार के संरक्षण में पलनेवाले जमींदारों और महाजनों को निशाना बनाया गया। खूंटी, तोरपा, बसिया, तमाड़, सबार्दा, मुरहू, चक्रणरपुर, पोड़ाहाट रांची और सिंहभूम में गोरिल्ला युद्ध ने हुकूमत की चूलें हिला दी। आंदोलन को कुचलने के लिये रांची और सिंहभूम को सेना के हवाले कर दिया गया। 8 जनवरी 1900 को डोम्बारी पहाड़ियों पर जमी बिरसाइत के जत्थे पर सेना ने आक्रमण कर दिया तथा युद्ध के दौरान लगभग 200 मुंडा मारे गये। सैलरकब पहाड़ी पर भी संघर्ष हुआ। इसके बाद भी बिरसा पकड़ में नहीं आये। आंदोलन की रणनीति के तहत अपने आंदोलन के केन्द्र बदले तथा घने जंगलों में संचालन के केन्द्र बनाये गये। जमकोपाई तथा पोड़ाहाट के जंगलों संगठन तथा प्रशिक्षण के कैंप बनाये गये। 3 फरवरी 1900 को सेंतरा के पश्चिम जंगल में बने शिबिर से बिरसा को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे गहरी नींद मे सोये हुए थे। पुलिस के भारी बंदोबस्त के साथ उन्हें तत्काल खुटी के रास्ते रांची कारागार लाकर बंद कर दिया गया। बिरसा के साथ अन्य 482 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ 15 आरोप दर्ज किये गये। शेष अन्य गिरफ्तार लोगों में सिर्फ 98 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो पाया। बिरसा के विश्वासी गया मुडा और उनके पुत्र सानरे मुंडा को फांसी दी गयी। गया मुंडा की पत्नी मांकी को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। मुकदमें की सुनवाई के शुरूआती दौर में उन्होंने जेल में भोजन करने के प्रति अनिच्छा जाहिर की। अदालत में तवियत खराब होने की बजह से जेल वापस भेज दिया गया। 1 जून को जेल अस्पताल के चिकित्सक ने सूचना दी कि बिरसा को हैजा हो गया है और उनके जीवित रहने की संभावना नहीं है। 9 जून 1900 की सुबह सूचना दी गयी कि बिरसा नहीं रहे ।इस तरह एक क्रांतिकारी जीवन का अंत हो गया। बिरसा के संघर्ष के परिणामस्वरूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 बना। जल , जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकार की रक्षा के लिये शुरू हुए आंदोलन एक के बाद एक श्रृंखला में गतिमान रहा तथा इसकी परिणति अलग झारखंड राज्य के रूप में हुई, लेकिन अबुआ दिशुम का सपना साकार नहीं हो सका।

बिरसा के द्वारा स्थापित बिरसाइत पंथ आज भी कायम है।खूंटी जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर जंगल के बीच बिरसाइतों का गांव है अनिगड़ा। बिरसाइत सम्प्रदाय से जुड़े लोग मांस मछली नहीं खाते हैं, तुलसी की पूजा करते हैं। पहनने में सूती बस्त्र का इस्तेमाल करते हैं तथा नशे से दूर रहते है। हिंसा से दूर रहकर अहिंसा का पालन करते है। अनगड़ा में ही उदय मुडा को फांसी दी गयीं। कभी इस गांव में बिरसाइतों की संख्या 50 थी। अब ये नाममात्र के रह गये हैं। ये अपनी गरीबी और मुश्किलों से नाराज नहीं है, पर सरकारी उपेक्षा से ज्यादा दुखी है। यदि अंग्रेजों ने शोषण किया तो आजाद भारत की सरकार ने भी कम धोखा नहीं दिया। आजादी के बाद भी लगान- सूद से मुंडाओं को मुक्ति नहीं मिली। जल,जंगल,जमीन पर अधिकार नहीं मिला। अबुआ दिशुम का सपना पूरा नहीं हुआ। आज भी आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन छीनी जा रही है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को विस्थापन के खिलाफ आवाज उठाने पर नक्सलवादी का ठप्पा लगाकर गोली मारी जा रही है। भूमाफियाओं द्वारा खुलेआम जमीन हड़पी जा रही है और आदिवासी समाज को समान वर्ग में परिवर्तित करने का षड्यंत्र चल रहा है। बफर जोन, वन सौंदर्यकरण, सिंचाई परिसर और बांधों के नाम पर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र से आदिवासियों का कौड़ी के मोल मुआवजे देकर विस्थापन किया जा रहा है।अबुआ दिशुम-अबुआ राईज मात्र नारा बनकर रह गया। सीएनटी-एसपीटी एक्ट और संविधान प्रदत्त पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, वनाधिकार कानून तथा न्यायिक निर्णय समता जजमेंट आदि मुद्दों पर राज्य गठन होने के बाद जो सार्थक प्रयास केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा होना चाहिए, वो अब तक दिखाई नहीं दे रहा है।

वर्तमान दौर का समय कहीं ज्यादा प्रतिकूल है। भारत में अधिकांश विकास परियोजना संविधान की पांचवीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही है ।क्योंकि संसाधनों के मामले में आदिवासी क्षेत्र समृद्ध रहा है और अब भी है । इस इलाके में देश का 71 फीसदी जंगल, 92 फीसदी कोयला, फीसदी बाक्साइट, 78 फीसदी लोहा, 100 फीसदी युरेनियम, 85 फीसदी तांबा, 65 फीसदी डोलोमाइट इत्यादि की भरमार है ।भारत के जल स्त्रोत का 70 फीसदी जल आदिवासी इलाके में है तथा करीब फीसदी उधोग के लिए कच्चा माल इन्ही क्षेत्रों से मिलता है ।यह प्रकृति की ओर से मिला वरदान है ।लेकिन यही वरदान इनके लिए चुनौती भी है, क्योंकि इन्ही संसाधनों की लूट और कब्जे को लेकर देश और दुनिया के कार्पोरेट की गिद्ध दृष्टि लगी है । इन संसाधनों पर काबिज होने की प्रक्रिया काफी तेज हो गया है। द्रुत गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का सामाधान निकालने के लिए अबतक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी पर पङ रही है।
~~~~~~~~

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

कॉफी पाउडर– 1 पैकेट या 2 चम्मच
चीनी– आधा कप
पानी– आधा कप
दूध– 1 कप
क्रीम– आधा कप
चॉकलेट चिप– आधा कप
वैनिला एसेंस– आधा कप

होममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं।

इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6–8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2–3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

होंठों का रंग पड़ने लगा है काला? सुर्ख गुलाबी और मुलायम लिप्स के लिए अपना लें ये 5 आसान तरीके

कहते हैं कि होठों की खूबसूरती चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है और काले होंठ चेहरे की खूबसूरती कम कर देते हैं। यदि होंठ गुलाबी और मुलायम हों तो मुस्कान भी अधिक आकर्षक लगती है। लेकिन कई कारणों से होंठों का रंग काला पड़ सकता है, जैसे धूप में ज्यादा रहना, कम पानी पीना, धूम्रपान करना, ज्यादा चाय–कॉफी पीना या खराब लिप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना।

ऐसे कई लोग हैं जो अपने होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्होंने अपने काले होठों पर काफी पैसे खर्च कर दिए हैं और होठों के कालेपन में कोई सुधार नहीं हुआ है तो आइए जानते हैं ऐसे 5 टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप प्राकृतिक गुलाबी होंठ पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद एलिसिन त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। रोजाना होठों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें। यह होठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह होठों को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

नींबू का रस

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले अपने होठों पर ताजा नींबू का रस लगाएं और सुबह इसे धो लें। यह धीरे–धीरे होठों का कालापन कम कर देता है।

शहद और चीनी

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होंठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।

चुकंदर का रस

चुकंदर का जूस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और होठों को गुलाबी रंग देता है। होठों पर ताजा चुकंदर का रस लगाएं और 15–20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए छोड़ दें। इससे आपके होठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग मिलेगा।

हल्दी

हल्दी त्वचा का कालापन कम करने में मदद करती है। थोड़ी सी हल्दी को दूध या शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और होठों पर लगाएं। 5–10 मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से होठों का रंग हल्का हो सकता है। इसके साथ ही आपके होंठ मुलायम भी हो जाएंगे।

धूम्रपान बिलकुल न करें।

सस्ते लिपस्टिक और लिप बाम का प्रयोग न करें।

बार–बार होठों पर जीभ न लगायें।

घर से बाहर निकलते समय न केवल चेहरे पर बल्कि होठों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

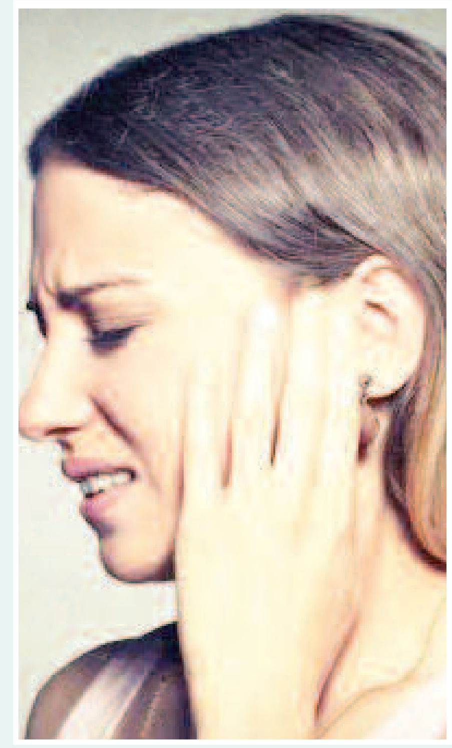

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?

इन घरेलू उपायों से आसानी से हो जाएंगे क्लीन

कानों के आसपास अनचाहे बाल होना आम बात है, लेकिन ये बाल चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। आप इन अनचाहे बालों को घर पर ही देसी तरीके से हटा सकते हैं।

कानों के आस–पास कई बार अनचाहे बाल हो जाते हैं। पुरुषों में तो इस तरह की समस्याएं सामान्य तौर पर देखने को मिल ही जाती हैं, लेकिन कई बार महिलाओं में भी हार्मोनल बदलाव के कारण कानों पर बाल उगने लगते हैं, जो चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। वैसे तो कानों पर आने वाले बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मौजूद हैं, लेकिन आप इन अनचाहे बालों को आसानी से घरेलू उपाय से भी हटा सकते हैं।

नींबू और शहद का करें उपयोग

कानों पर आए अनचाहे बालों को आप नींबू और शहद की मदद से आप आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कानों के बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें। इससे बाल तो कम होंगे ही, साथ ही साथ हेयर ग्रोथ भी कम हो जाएगा।

बेसन और हल्दी का पैक

कानों पर आए बालों को हटाने के लिए आप बेसन और हल्दी के पैक का उपयोग कर सकते हैं। इसका उपयोग पुराने समय से बालों को हटाने के लिए किया जाता रहा है। इसको बनाने के लिए आप एक चम्मच बेसन, आधा चम्मच हल्दी और थोड़ा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे कानों पर लगाकर सूखने दें। कुछ समय के बाद इसको हल्के हाथों से रगड़कर हटाएं। इससे बाल कम हो जाएंगे।

घर पर बनाएं वैक्स

बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

बच्चों को हेल्दी और फिट रखने के लिए उनकी डाइट का रखें खास ख्याल, अपनाएं ये टिप्स

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा फिट और हेल्दी रहे ताकि उसको ग्रोथ अच्छे से हो सके. लेकिन बच्चों को हेल्दी रखना किसी टॉस्क से कम नही है. खासतौर से जब बात आती है खानपान की तो बच्चों को हेल्दी खाना अमूमन पसंद नही आता है. हरी सब्जियां और दाल जैसी चीजें जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है बच्चे उनको खाने में मुंह बनाते हैं. अनहेल्दी खाने की चीजों जैसे की जंक फूड और पैकेज्ड फूड की तरफ उनका रूझान ज्यादा रहता है. यह चीजें सही ग्रोथ और शरीर मजबूत बनाने से रोक सकती हैं. ऐसे में बच्चों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है, जिसमें डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है.

आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंग जो आपके बच्चों को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

हेल्दी ब्रेकफास्ट

बच्चे के ब्रेकफास्ट में हमेशा हेल्दी चीजों को ही शामिल करें. अमूमन घरों में नाश्ते में ब्रेड–बटर या फिर रेडी टू ईट चीजों का सेवन किया जाता है. जिससे बच्चों से सही से पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप उनके लिए घर में ही हेल्दी चीजें बनाएं. आप उन्हें नाश्ते में इडली, डोसा, उपमा या पोहा उन्हें दे सकते हैं.

घर में बनाएं स्प्रेड

अगर आपके बच्चे को चॉकलेट स्प्रेड, जैम और केचप खाना पसंद है तो इन चीजों को बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही बनाने की कोशिश करें. क्योंकि बाहर मिलने वाली चीजों में प्रिजर्वेटिव होते हैं जो सेहत के लिए अच्छे नहीं पाए जाते.

पैकेज्ड फूड

पैकेज्ड फूड्स चिप्स, कुकीज जैसी चीजों का सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आप इन चीजों से बच्चों को बचाएं और घर पर बनी चीजों को ही उन्हें खाने के लिए दें.

फल

अपने बच्चे की डाइट में फलों को जरूर शामिल करें. एक दिन में कम से कम उनकी डाइट में 1 सीजनल फ्रूट जरूर शामिल करें.

पैकेज्ड जूस

पैकेज्ड जूस में केवल प्रिजर्वेटिव और चीनी होती है. इनका सेवन करने से बच्चे बीमार भी हो सकते हैं. इसलिए इनकी जगह ताजे फलों का जूस, नींबू पानी, नारियल पानी देना शुरू करें.

हरी सब्जियां

अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.

आईएफसी का भारत में हरित क्रांति को बल, कठिन कार्बन कटौती क्षेत्रों में बढ़ेगा निवेश

रसायन और भारी परिवहन भी दायरे में; नीतिगत समर्थन और लागत में कमी से प्रेरित

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) भारत में अपनी हरित निवेश रणनीति का विस्तार कर रहा है, खासकर उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां कार्बन उत्सर्जन कम करना चुनौतीपूर्ण रहा है। पिछले वित्त वर्ष में भारत में 5.4 अरब डॉलर का निवेश करने के बाद, आईएफसी अब हरित हाइड्रोजन, रसायन और भारी परिवहन जैसे क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करेगा, जिसका खुलासा क्षेत्रीय प्रभाग के निदेशक के अनुसार, हरित हाइड्रोजन में आईएफसी का पहला निवेश हाइजेनको में हुआ है। उन्होंने बताया कि भारत का हरित हाइड्रोजन क्षेत्र एक निर्णायक मोड़ पर है, जहां नीतिगत महत्वाकांक्षाएं, बेहतर अर्थव्यवस्था और मजबूत निजी क्षेत्र का उदय हो रहा है। आईएफसी का यह कदम विश्व बैंक समूह की व्यापक पहल का हिस्सा है, जो कई वर्षों से नीतिगत ढांचे और वित्तपोषण का समर्थन कर रहा है। यह बदलाव रसायनों और भारी परिवहन जैसे क्षेत्रों में वाणिज्यिक स्तर पर मांग बढ़ने के कारण हुआ है। भारत का नीतिगत माहौल राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के साथ परिपक्व हो चुका है, जो उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए स्पष्ट प्रोत्साहन प्रदान करता है। इसके अलावा, भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की लागत विश्व में सबसे कम है और इलेक्ट्रोलाइजर की लागत भी घट रही है, जिससे हरित प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन सुधर रहा है। उन्होंने कहा कि हरित हाइड्रोजन सौर ऊर्जा की तरह ही तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वित्त वर्ष 27 में 7.7 से 6 फीसदी तक आ सकती है भारत की ग्रोथ रेट

आगामी वर्ष में महंगाई और लागत बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली।

भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्त वर्ष में मजबूत प्रदर्शन किया, लेकिन आगामी वर्ष में इसकी विकास दर पर बाहरी चुनौतियों का साया मंडरा रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को प्रभावित कर सकती हैं। इससे महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ने का अंदेशा है। रिपोर्ट बताती है कि इन संभावित मुश्किलों को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाया गया है। हालांकि, निवेश और खपत अब भी अर्थव्यवस्था को मजबूत सहारा दे रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में जीडीपी 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी, जिसमें निवेश का बड़ा योगदान रहा, भले ही उपभोक्ता खर्च कुछ धीमा रहा। पूरे वित्त वर्ष 2026 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 फीसदी दर्ज की गई, जो पिछले साल 7.1 फीसदी से अधिक थी। उद्योग और सेवा क्षेत्रों ने इसमें सर्वाधिक योगदान दिया, खासकर मैन्युफैक्चरिंग, व्यापार और होटल सेवाओं में उछाल देखा गया। कृषि क्षेत्र की वृद्धि 3 फीसदी पर कमजोर रही। इसके बावजूद, मजबूत निवेश और खपत ने अर्थव्यवस्था को साल भर गतिशील बनाए रखा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 95.35 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया शुक्रवार को 56 पैसे मजबूत होकर 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी बाजार में डॉलर की मजबूती से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 95.35 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। ईरान के इजराइल की ओर कई मिसाइलें दागने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है जिससे क्षेत्र की स्थिरता एवं युद्धविराम प्रयासों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे कमजोर है। रुपया शुक्रवार को 56 पैसे मजबूत होकर 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था, जो लगभग दो महीनों में इसकी सबसे बड़ी एक-दिवसीय बढ़त थी। केंद्रीय बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा नकदी मजबूत करने के उपायों की घोषणा के बाद यह बढ़त आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 95.33 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 719 अंक, निफ्टी 243 अंक गिरा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका, इजरालय और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 719.08 अंकों की गिरावट के साथ ही 73,524.26 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 243.70 अंक नीचे आकर 23,123 पर पहुंच गया। इसके अलावा व्यापक बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.40 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.92 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑटो में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी एक फीसदी गिरावट रही।

निफ्टी के केवल 9 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी शेयर गिरावट पर कारोबार करते दिखे।

मैक्स हेल्थ, पावरग्रिड, भारती एयरटेल, बीईएल, नेस्ले इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गयी जबकि विप्रो , जियो फाइनेंस, हिंडाल्को और श्री राम फाइनेंस के शेयरों में गिरावट आई।बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी और ईरान के बीच शांति समझौते पर संशय से भी बाजार में गिरावट आई है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। सेंसेक्स 700 अंक से अधिक लुढ़क कर 73,500 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी भी 23,150 के करीब गिरा। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 724.51 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 73,518.83 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सोना 1700 से ज्यादा टूटा, चांदी में 5900 की गिरावट

सोने का भाव 1,53,844 प्र ति दस ग्राम, चांदी 2,42,614 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों पर सोमवार को दबाव देखने को मिला। जहां शुरुआती तेज उछाल के बाद चांदी के भाव फिसल गए, वहीं सोने ने दिन की शुरुआत ही गिरावट के साथ की और इसमें और नरमी आई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय कॉमैक्स दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं के वायदा भाव में कमजोरी दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने के समय 1,750 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,844 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने दिन की शुरुआत ही नरमी के साथ की थी, जहां यह 1,417 रुपये की गिरावट के साथ 1,54,177 रुपये पर खुला था। इसका पिछला बंद भाव 1,55,594 रुपये था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,54,434 रुपये का उच्च स्तर और 1,53,802 रुपये का निचला स्तर छुआ।

सरकार ने बैंकों से मांगा एटीएम नकदी संकट पर तत्काल जवाब

नई दिल्ली ।

वित्तीय सेवा विभाग ने देशभर में एटीएम में नकदी की कमी की समस्या पर बैंकों से तत्काल विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विभाग ने बैंकों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को भेजे ईमेल में नकदी भरने में आ रही दिक्कतों के कारणों और उन्हें दूर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी अनिवार्य रूप से देने का निर्देश दिया। यह कदम अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएम सेवाओं के बुरी तरह प्रभावित होने की आशंकाओं के बीच उठाया गया है, जहां प्रत्यक्ष हस्तांतरणलाभार्थियों के लिए नकदी पर निर्भरता अधिक है। एटीएम उद्योग परिसंघ ने पिछले सप्ताह भारतीय बैंक संघ को आगाह किया था कि नकदी की उपलब्धता समस्या बनती जा रही है, जिससे देश भर में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को नकदी कमी होने पर तुरंत आपूर्ति का आश्वासन दिया था। हालांकि, बैंकरों के अनुसार, एटीएम में नकदी खत्म होने पर बैंकों को भी लागत वहन करनी पड़ती है। आरबीआई के अक्टूबर 2021 के नियमों के अनुसार, यदि कोई एटीएम महीने में 10 घंटे से अधिक समय तक नकदी से खाली रहता है (10,000 रुपए या उससे कम), तो संबंधित बैंकों/ऑपरेटरों पर जुर्माना लगता है। व्हाइट-लेबल एटीएम के मामले में, जुर्माने का भुगतान पहले कैश मुहैया कराने वाला बैंक करता है, जिसे ऑपरेटर से वसूला जाता है।

एफपीआई को कर छूट, वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारत की दावेदारी मजबूत

सरकार का फैसला ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में सॉवरिन बॉन्ड के शामिल होने की संभावना बढ़ाएगा

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) से होने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट देकर वैश्विक बॉन्ड बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस निर्णय से भारतीय सॉवरिन बॉन्ड के ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में शामिल होने की संभावना काफी बढ़ गई है, जिसकी समीक्षा इस महीने के मध्य में प्रस्तावित है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब जनवरी में ब्लूमबर्ग सर्विसेज इंडेक्स (बीआईएसएल) ने परिचालन और बाजार ढांचे से जुड़े मुद्दों का हवाला देते हुए भारत के सरकारी बॉन्ड को अपने वैश्विक सूचकांक में शामिल करने का फैसला टाल दिया था। सूत्रों ने बताया कि बॉन्ड बाजार को सुदृढ़ बनाना सरकार की मुख्य नीतिगत प्राथमिकता बनी हुई है। सरकार यह समझती है कि एक व्यापक और अधिक लिक्विड बॉन्ड बाजार के लिए घरेलू बैंकों और बीमा कंपनियों जैसे निवेशकों तक सीमित न रहकर वैश्विक संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करना आवश्यक है। ये निवेशक लंबे समय के लिए निवेश करते हैं और अधिक जोखिम उठाने की क्षमता के साथ बड़ी मात्रा में स्थिर पूंजी उपलब्ध कराते हैं। पहले, एफपीआई की ब्याज और पूंजीगत प्राप्तियों से होने वाली कमाई पर कर नियमों की वजह से सरकारी

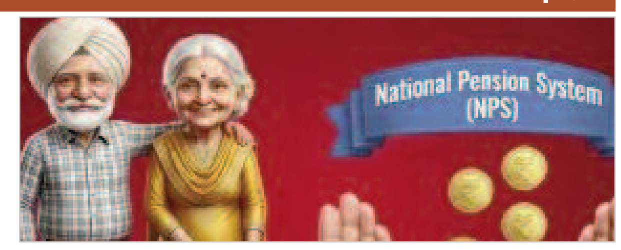

बॉन्ड पर कर के बाद मिलने वाला रिटर्न कम हो जाता था, जो अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत को कम प्रतिस्पर्धी बनाता था। इस संरचनात्मक नुकसान को दूर करना जरूरी था। बार्कलेज के विश्लेषकों ने इस कर छूट को महत्वपूर्ण बताया है और कहा है कि इस कदम से भारत की वास्तविक यील्ड में सुधार होगा। बार्कलेज ने कहा` कि सबसे अहम बात यह है कि इससे बॉन्ड सूचकांक में शामिल होने में आ रही संरचनात्मक बाधा भी दूर होती है। विश्लेषकों का मानना है कि पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के विस्तार और निवेश से जुड़ी पाबंदियों में ढील को सूचकांक प्रदाता सकारात्मक रूप से देख सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस कर सुधार का मुख्य मकसद भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और निवेशक-अनुकूल माहौल देना, सॉवरिन बॉन्ड बाजार को मजबूत करना और वैश्विक सूचकांक में भारत की दावेदारी को मजबूती प्रदान करना है।

अदाणी पोर्ट्स को अर्जेंटीना में 10 साल का एलएनजी निर्यात ठेका

समुद्री सेवाओं के अनुबंध से दक्षिण अमेरिका में प्रवेश, वैश्विक पहुंच का विस्तार

नई दिल्ली ।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने अर्जेंटीना की पहली तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) निर्यात परियोजना के लिए 10 वर्ष का समुद्री सेवाओं का महत्वपूर्ण ठेका हासिल किया है। इस डील के साथ ही एपीएसईजेड ने दक्षिण अमेरिकी बाजार में प्रवेश कर अपनी अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेवाओं के दायरे को मजबूती से बढ़ाया है। यह ठेका एपीएसईजेड की अनुषंगी अदाणी हार्बर इंटरनेशनल एफजेडसीओ को मेरिडियन ग्रुप के संघ के माध्यम से मिला है। इसका निष्पादन 51ः49 के संयुक्त उद्यम मेरिडियन ट्रांसपोर्टेस मैरिटिमोस एसए द्वारा होगा। यह अनुबंध दक्षिणी एनर्जी एसए (एसईएसए) द्वारा आयोजित वैश्विक प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के बाद प्राप्त हुआ है। एपीएसईजेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह अनुबंध अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा लॉजिस्टिक्स में कंपनी की मजबूत उपस्थिति और विशेषीकृत समुद्री सेवाओं में बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने जटिल समुद्री वातावरण में अपनी गहरी परिचालन विशेषज्ञता को नए ऊर्जा व्यापार गलियारों और दीर्घकालिक आपूर्ति स्थिरता के लिए अहम बताया। कंपनी ने कहा कि अर्जेंटीना एक प्रमुख नए एलएनजी आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है, जहां से 2027 से भारत को प्रति वर्ष एक

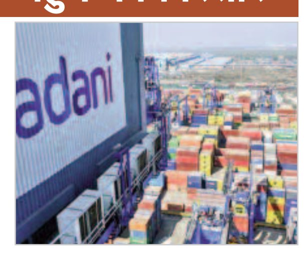

करोड़ टन तक एलएनजी निर्यात के समझौते हुए हैं। सदर्न एनर्जी एफएलएनजी परियोजना इस बढ़ती आपूर्ति को वैश्विक मांग केंद्रों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता नया ई85 फ्यूल

नई दिल्ली ।

बढ़ती ईंधन कीमतों और कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली में आधिकारिक तौर पर ई85 फ्यूल लॉन्च किया है, जो सामान्य पेट्रोल से लगभग 20 रूपए प्रति लीटर सस्ता है। दिल्ली में इसे मात्र 82.12 रुपए प्रति लीटर की किफायती कीमत पर पेश किया गया है, जबकि सामान्य पेट्रोल 100 रुपए के पार है। ई85 एक हाई इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल है, जिसमें 80-85 फीसदी एथेनॉल होता है। इसे गन्ने, मक्के और कृषि अवशेषों से तैयार किया जाता है, जो इसे स्वदेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भारत की विदेशी कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना है। हालांकि, यह समझना महत्वपूर्ण है कि ई85 फ्यूल आपकी मौजूदा साधारण पेट्रोल कार या बाइक के लिए नहीं है। इसे विशेष रूप से फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है, जो इस नए ईंधन के साथ संगत होते हैं। सरकार की यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण दोनों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अमेजन जल्द बनेगा क्विक कॉमर्स का सरताज

100 शहरों तक विस्तार की योजना

नई दिल्ली ।

अमेजन इंडिया ने देश के तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति स्थापित करने का दृढ़ विश्वास जताया है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि प्राइम प्रोग्राम और व्यापक उत्पाद श्रृंखला के दम पर अमेजन जल्द ही इस क्षेत्र में शीर्ष पर होगी।

कंपनी के अे धिकारी ने कहा कि कंपनी त्वरित वाणिज्य को व्यापक ऑनलाइन खुदरा बाजार के भीतर एक गति समीकरण के रूप में देखती है। उन्होंने जोर दिया कि अमेजन प्रतिस्पर्धी-केंद्रित नहीं बल्कि ग्राहक-केंद्रित है, और भारत में 13 वर्षों में विकसित की गई व्यापक उत्पाद उपलब्धता तथा बड़ी ई-कॉमर्स क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

कंपनी का क्विक कॉमर्स मंच अमेजन नाउ वर्तमान में 12 से अधिक शहरों में संचालित है और इसे 100 से अधिक शहरों तथा 1,000 ‘माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर’ तक विस्तारित करने की योजना है। कंपनी का कारोबार मासिक आधार पर 25 प्रतिशत

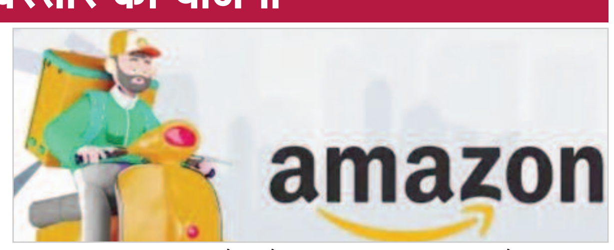

की वृद्धि दर्ज कर रहा है, और प्राइम सदस्य अन्य ग्राहकों की तुलना में तीन गुना अधिक खरीदारी कर रहे हैं।

तेज आपूर्ति और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव से प्रेरित भारत का क्विक कॉमर्स बाजार डिजिटल अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। इस क्षेत्र में अन्य प्रमुख खिलाड़ी भी आक्रामक निवेश कर रहे हैं। अमेजन ने 2030 तक भारत में 35 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की है, जो व्यापार विस्तार, कृत्रिम मेधा और रोजगार सृजन पर केंद्रित होगा।

इजराइल-ईरान में फिर तनाव, तेल बाजार में 3 फीसदी का उछाल

- इजराइल-ईरान सैन्य कार्रवाई से नाजुक युद्धविराम खतरे में, ब्रेंट क्रूड 96 डॉलर पार

नई दिल्ली ।

मध्य पूर्व में इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती सैन्य टकराव ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हलचल मचा दी है। रविवार देर रात बाजार खुलते ही कच्चे तेल की कीमतों में 3 फीसदी का उछाल देखा गया, जो क्षेत्र के नाजुक युद्धविराम के टूटने की आशंका को दर्शाता है। यह ताजा संघर्ष वैश्विक निवेशकों और तेल कारोबारियों की चिंता बढ़ा रहा है। ईरान ने रविवार को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर अप्रैल में लागू युद्धविराम को तोड़ दिया। यह कार्रवाई इजराइल द्वारा लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज़्बुल्लाह ठिकानों पर किए गए हवाई हमले के कुछ समय बाद हुई। इजराइल का दावा है कि उसने ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया था। इन ताजा सैन्य झड़पों ने मध्य पूर्व में बड़े संघर्ष की आशंका को फिर से बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक निवेशक चिंतित हैं। इस बढ़ते तनाव का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ा है। रविवार देर रात बाजार खुलते ही कच्चे तेल की कीमतों

में 3 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई।

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी 93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। जानकारों का कहना है कि आपूर्ति बाधित होने से ईंधन की कीमतें और बढ़ेंगी, जिससे दुनिया भर में महंगाई चरम पर पहुंच सकती है।

रील्स सिर्फ मनोरंजन नहीं, अब शॉपिंग का भी नया अड्डा- रिपोर्ट

81 फीसदी भारतीय रील्स से पाते हैं नए प्रोडक्ट्स की जानकारी

मुंबई ।

भारत में शॉर्ट वीडियो कंटेंट, खासकर इंस्टाग्राम रील्स अब सिर्फ टाइमपास का जरिया नहीं रहा। सोशल मीडिया दिग्गज मेटा और रिसर्च एजेंसी इप्सॉस की एक नई ज्वॉइंट स्टडी ने खुलासा किया है कि रील्स लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और शॉपिंग के तरीकों को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। यह बदलता ट्रेंड शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों के उपभोक्ताओं पर समान रूप से दिख रहा है। मेटा और इप्सॉस द्वारा देश के 23 शहरों और ग्रामीण इलाकों के 4,000 से अधिक लोगों पर किए गए इस अध्ययन के मुताबिक, रील्स अब सीधे तौर पर भारतीय उपभोक्ताओं की जेब और ई-कॉमर्स को प्रभावित कर रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि 81 फीसदी लोग किसी भी नए प्रोडक्ट या ब्रांड की पहली जानकारी रील्स के जरिए ही हासिल करते हैं। इतना ही नहीं, 66 फीसदी लोग खरीदारी से पहले रील्स पर प्रोडक्ट का रिव्यू या कंटेंट चेक करते हैं, और चौंकाने वाली बात यह है कि 47 फीसदी लोग रील देखने के बाद ही उस सामान को खरीदने का अंतिम फैसला लेते हैं। यह डिजिटल क्रांति खासकर युवा पीढ़ी पर सबसे ज्यादा असर डाल रही है, जहां 89त्न जेन-जी यूजर्स हर दिन रील्स देखते हैं और इनमें से 84 फीसदी रील्स के माध्यम से नए प्रोडक्ट्स की खोज करते हैं। ग्रामीण इलाकों में भी यह क्रेज बढ़ रहा है; जहां 94 फीसदी लोग रोजाना वीडियो देखते हैं और 73 फीसदी ग्रामीण यूजर्स ने रील्स के जरिए नए ब्रांड्स के बारे में जाना है। सिर्फ फैशन या ब्यूटी ही नहीं, ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी रील्स का प्रभाव है। 82 फीसदी लोग नई कारों और बाइक्स को खोजने के लिए मेटा प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते हैं, और रील्स का असर खरीदारी के अंतिम फैसले में 50 फीसदी तक देखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक भारतीय यूजर्स इंस्टाग्राम रील्स पर ब्यूटी, मेकअप और फैशन से जुड़ा कंटेंट सबसे ज्यादा देखना पसंद करेंगे।

क्रिएटर्स के लिए भी अच्छी खबर है, क्योंकि इंस्टाग्राम रील्स अन्य शॉर्ट वीडियो ऐप्स के मुकाबले 60 फीसदी ज्यादा एंगेजमेंट प्रदान करता है। मेटा इंडिया का कहना है कि अब ब्रांड्स के लिए कंटेंट और व्यापार को एक साथ जोड़कर चलना बेहद जरूरी हो गया है।

मई में वाहन बिक्री ने तोड़े रिकॉर्ड, ईंधन कीमतों के बावजूद 9.55 फीसदी की वृद्धि

यात्री वाहन, दोपहिया, तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियों में अब तक की सर्वाधिक बिक्री

नई दिल्ली ।

देश में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री मई 2026 में रिकॉर्ड 25.31 लाख इकाई पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.55 फीसदी की वृद्धि दर्ज करती है। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स (फाडा) ने सोमवार को बताया कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद यह उछाल आया, जो भारतीय ऑटो बाजार की मजबूत मांग को दर्शाता है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, मई में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री 23.25 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 4,02,591 इकाई रही। दोपहिया वाहनों की बिक्री भी 7.54 फीसदी की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 18,44,947 इकाई दर्ज की गई। तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियों ने भी अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज करते हुए ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर भी स्पष्ट रूप से दिख रही है, जिसकी हिस्सेदारी दोपहिया सेगमेंट में बढ़कर 9.25 फीसदी हो गई है, जो पिछले वर्ष 6.11 फीसदी थी। फाडा ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और ईंधन की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों के बावजूद भारतीय मोटर वाहन खुदरा बाजार में वृद्धि जारी रही। उन्होंने कहा कि तिपहिया, यात्री वाहन, ट्रैक्टर और कुल पंजीकरण में मई 2026 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखा गया। जून 2026 के लिए फाडा ने संतुलित लेकिन सतर्क रूप से आशावादी दृष्टिकोण व्यक्त किया है। मानसून की प्रगति और ग्रामीण नकदी प्रवाह को मांग का मुख्य कारक माना गया है, हालांकि अल्पकालिक लागत दबाव बने रहने की आशंका है। डीलरों में से आधे से अधिक ने वृद्धि की उम्मीद जताई है, जबकि 39.90 फीसदी ने बाजार को स्थिर रहने का अनुमान लगाया है।

भारतीय टीम की सबसे बड़ी टेस्ट जीत, अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हरा दिय। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में भी केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं वह पहली पारी में 152 रनों पर आउट हो गयी थी, भारत की ओर से सबसे अधिक 6 विकेट मानव सुधार ने लिए। फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में भी केवल 112 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। ऐसे में उसे पहली पारी के आधार पर 412 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अफगान टीम को फॉलोऑन के लिए बुलाया। अफगान टीम दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और केवल 112 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज सिद्दीकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से सुंदर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट और मानव सुधार ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे स्पिनर मानव सुथार ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी कर कुल 7 विकेट लिए। सुधार ने पहली पारी में 22 ओवर में 33 रन देकर छह विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में एक विकेट लिया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने अफगानिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट जबकि कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पारी और रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 300 रनों से हासिल की है। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 272 रनों से जीत हासिल की थी।

इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाये जबकि साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। शुभमन ने 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 126 रनों की पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 11 चौके लगाकर 100 रन बनाए। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन बनये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम सुधार की फिरकी में उलझ गयी और पहली पारी में 152 रन ही बना पायी। केवल रहमत शाह ही 60 रनों की पारी खेली जबकि बाकी सभी बल्लेबाज विफल रहे। सुथार ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन टेनिस खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। जर्मन के टेनिस स्टार अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबले में कोबोली को 4 घंटे 16 मिनट तक चला, जिसमें ज्वेरेव ने कोबोली को 6-1, 4-6, 6-4, 6-7 (5-7), 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही जर्मन खिलाड़ी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीत लिया। पेरिस के प्रतिष्ठित रोलां गैरोस में खेला गया यह ऐतिहासिक मुकाबला 4 घंटे 16 मिनट तक चला। इस मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव शुरुआत से ही हावी रहे। पहले सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन खिलाड़ी ने 6-1 से जीत दर्ज की। 10वीं वरीयता प्राप्त कोबोली ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी। कोबोली ने हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर वापसी करते हुए हुए 6-4 से बढ़त बना ली। चौथा सेट बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। इसमें दोनों खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगा दी। ये सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां कोबोली ने 7-5 से जीत हासिल की और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। इसके बाद ज्वेरेव की हार तय लग रही थी पर पांचवें सेट में, ज्वेरेव ने अपने अनुभव क इस्तेमाल करते हुए कोबोली की सर्विस दो बार तोड़ी और लगातार अंक हासिल हुए 6-1 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

यह जीत ज्वेरेव के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले वह तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हारे हैं। वह 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जीत के करीब पहुंचकर भी हार गए थे। इस बार जर्मन खिलाड़ी ने मानसिक मजबूती बनाये रखकर मुकाबले में जीत दर्ज की। इसी के साथ ही ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के ओपन एरा में खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने रोलां गैरोस का खिताब जीता था। इस लिहाज से, ज्वेरेव ने 89 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए ये ट्रॉफी जीती है।

मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं सूर्यकुमार, केकेआर या सीएसके जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं। सूर्या के बाहर किये जाने की अटकलों को इस लिए भी बल मिल रहा है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया में मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके अकाउंट से मुंबई इंडियंस की जर्सी वाली तस्वीरें भी हट गयी हैं। इससे ये साफ होता है कि सूर्या अब मुम्बई इंडियंस से नहीं खेलेंगे।

सूर्यकुमार को हाल ही में इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया और उनसे कप्तानी से भी हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस आईपीएल सत्र में भी मुंबई इंडियंस के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्हें पिछली बार मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 16.25 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था जिस पर इस बार भी बरकरार रख गया था। वह साल 2018 से ही लगातार मुंबई इंडियंस का अहम हिस्सा रहे हैं पर जिस प्रकार से उनका प्रदर्शन खराब हुआ है। उससे अब लगता है कि मुम्बई भी उन्हें आगे बनाये नहीं रखना चाहती।

ऐसे में अब कई रिपोर्ट्स ये दावा कर रही हैं कि अगर सूर्यकुमार मुंबई से बाहर जाते हैं तो वह अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जा सकते हैं। केकेआर को भी अपने लिए एक बेहतर कप्तान और शीर्ष क्रम में एक अनुभवी भारतीय बल्लेबाज की जरुरत है। कोलकाता के अलावा सूर्या चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी जा सकते हैं। इसका कारण है कि सीएसके भी एक बेहतर बल्लेबाज की तलाश में है।

मुंबई के लिए उन्होंने अब तक कुल 127 मैचों में 4020 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। वहीं केकेआर के लिए अपने पहले कार्यकाल में सूर्या ने 60 मैचों में 684 रन बनाए थे, जिसमें चैंपियंस लीग टी20 के 127 रन भी शामिल हैं।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस

बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है कि टिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

ट्राई-सीरीज : इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच आज पहला मैच, सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

मुम्बई । मंगलवार 09 जून 2026 से इंडिया ए, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के बीच 7 मैचों की वनडे ट्राई सीरीज शुरू हो रही है। पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा और इस दौरान सभी की नजरें युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। सूर्यवंशी का क्रेज जबरदस्त है। स्क्वाड में उनका नाम घोषित होने के बाद ब्रॉडकास्टर्स ने अपनी रणनीति पर फिर से विचार किया। असल में इस सीरीज के लिए कोई ब्रॉडकास्टिंग चैनल तय नहीं था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक BCCI की घोषणा के बाद सोनी स्पोर्ट्स मैच को लाइव दिखाने के लिए तैयार हो गया।

वैभव को अपने अनुसार खेलने दें, उसपर बेवजह दबाव न बनायें : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर अभी से दबाव डालना सही नहीं है। साथ ही कहा कि वह अभी बच्चा है और उसे अपने अनुसार खेलने दें। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा है कि वैभव पर किसी तरह का बेवजह का दबाव न बनाये और उसे अपने स्वाभविक अंदाज में खेलने दें। गांगुली ने से बातचीत में प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से विशेष तौर पर अपील की कि वे वैभव पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें। गांगुली ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी केवल 15 साल का बच्चा है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव के बारे में बहुत अधिक सोचता होगा। आईपीएल में हमने देखा कि वह निडर होकर खेलता है हालांकि भारतीय टीम के लिए खेलना एक बिलकुल अलग अनुभव है, और वह उन विदेशी दौरों पर जा रहा है जहां की पिचें काफी हमारे यहां से काफी अलग होंगी।' गांगुली का मानना है कि वैभव में अपार प्रतिभा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत में उनसे तुरंत चमत्कारी प्रदर्शन की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। उन्होंने जोर देकर कहा, 'उसे बस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने का अवसर दें। भारत में कई अन्य खिलाड़ियों की तरह उसके पास भी जबरदस्त प्रतिभा है, इसलिए उम्मीदों का बोझ डालकर उसे परेशान न करें।' वैभव के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। भारतीय टीम को 26 और 28 जून को आयरलैंड में दो टी20 मैच खेलने हैं, जिसके तुरंत बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। आईपीएल की सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर छक्के उड़ाना अलग बात है पर इंग्लैंड में यूनाइटेड तेज और उछल भरी पिचों पर अपने को साबित करना बिल्कुल अलग चुनौती होगी।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी। सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे। जब भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बारी आई, तो एक रिपोर्टर ने उनसे सीधा सवाल किया, क्या यह आपका आखिरी विश्व कप है? आप इस पर क्या कहना चाहेंगी? इस सवाल पर हरमनप्रीत ने उलटे रिपोर्टर से ही पूछ लिया। उन्होंने कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप क्यों? क्या आप चाहते हैं कि मैं सन्यास ले लूं? हरमनप्रीत के इस तीखे जवाब से रिपोर्टर झेंप गया। उसने तुरंत अपनी बात संभालते हुए कहा, नहीं, मैं बस जानना चाह रहा था। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा कि यह आपका आखिरी विश्व कप नहीं है। रिपोर्टर के इस जवाब पर भी हरमनप्रीत ने अपनी बात पूरी करते हुए पूछा, फिर आप ऐसा पूछ क्यों रहे हैं? हरमनप्रीत के इस अंदाज से पता चलता है कि वह बेहद स्पष्टवादी हैं।

गौरतलब है कि महिला टी20 विश्व कप 2026 का शुरुआती मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 12 जून को खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 14 जून को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। लीग स्टेज में भारत को कुल पांच मैच खेलने हैं। पाकिस्तान के बाद, भारतीय टीम का अगला मुकाबला 17 जून को नीदरलैंड्स से होगा। इसके बाद, 21 जून को भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। भारतीय टीम अपना अपना चौथा लीग मैच 25 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। वहीं अपना अंतिम मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विश्वकप में कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप, ग्रुप ए और ग्रुप बी में बांटा गया है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जिसमें कुछ बेहद मजबूत टीमें भीशामिल हैं। इसी को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम किसी भी प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर सकता है कोच और कप्तान में बदलाव ,सरफराज और शान होंगे बाहर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पाक टीम की करारी हार से बेहद नाराज है। पीसीबी अब कोच और कप्तान में बदलाव करने जा रहा है। इसी के तहत ही पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी टीम के मुख्य कोच सरफराज खान और कप्तान शान मसूद को उनके पदों से हटाकर नये कोच और कप्तान नियुक्त करने जा रहे हैं। पीसीबी पूर्व क्रिकेटर यूनिस खान को कोच जबकि मोहम्मद हफीज को नया कप्तान बनाना चाहता है। बांग्लादेश ने हाल ही में समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाक को 2–0 से हरा दिया था। इसी को देखते हुए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकारों ने टेस्ट टीम में बदलाव की सलाह दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस समय यूनिस और ऑलराउंडर हफीज के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। बोर्ड चाहता है कि ये दोनों दिग्गज राष्ट्रीय टीम में मुख्य भूमिकाएं संभालें। यूनिस और हफीज दोनों की ही पीसीबी अधिकारियों के साथ बोर्ड में प्रमुख पदों पर शामिल होने को लेकर बात हुई है, हालांकि, अभी तक चीजों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। वहीं मुख्य कोच सरफ़राज़ खान को हटाकर बोर्ड उन्हें वापस नेशनल अंडर–19 और 'ए' टीमों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपना चाहता है पर सरफराज को तभी हटाया जा सकता है जब पीसीबी पूर्व कप्तान यूनिस खान के साथ किसी समझौते पर पहुंच जाएगा। वहीं यूनिस ने पीसीबी में कोई भी पद स्वीकार करने के लिए बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं, जिन पर अभी बात चल रही है। वहीं लगातार हार के बाद मसूद की टेस्ट कप्तानी भी जाना तय है। बोर्ड उन्हें कप्तान पद से हटाने पर विचार कर रहा है, लेकिन मसूद ने बोर्ड से कुछ और समय की मांग की है। शान मसूद चाहते हैं कि आगामी वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली विदेशी टेस्ट सीरीज में उन्हें टीम का नेतृत्व करने का एक और मौका दिया जाए। पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 25 जुलाई से ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में खेलना है, जो मसूद के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर, मोहम्मद हफीज को मुख्य चयनकर्ता और 'हेड ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट' जैसे बड़े पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

ब्राजील ने चोटिल वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में एडरसन को किया शामिल

ब्रासीलिया । ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने चोटिल डिफेंडर वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में मिडफील्डर एडरसन को शामिल किया है। मिस्र के खिलाफ शनिवार को ब्राजील की 2–1 से मैत्री जीत में खेलने वाले वेस्ली को बाएं पैर की जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। बाद में मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि इस चोट के कारण रोमा के विंग–बैक खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (CBF) ने जारी एक बयान में कहा कि वेस्ली 'टीम के बहुत चहेते' हैं और वर्ल्ड कप में न खेल पाने के बावजूद उन्हें टीम की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा माना जाएगा। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने पुष्टि की है कि अंतिम मंजूरी मिलने के बाद अटलांटा के एडरसन को 26 खिलाड़ियों वाली टीम में उनकी जगह बुलाया जाएगा। उम्मीद है कि एडरसन सोमवार को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग कैंप में शामिल होंगे। 26 वर्षीय एडरसन ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए तीन बार सीनियर स्तर पर खेल चुके हैं, जिसमें लगभग दो साल पहले मैक्सिको के खिलाफ एक मैत्री मैच में शुरुआती लाइन–अप में शामिल होना भी शामिल है। वह कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में खेलने वाले 60 से अधिक सीरी–ए खिलाड़ियों में से एक हैं। ब्राजील अपने विश्व कप ग्रुप सी अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगा, इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच होंगे।

फ्लोरेंटिनो पेरेज चुनाव जीते, साल 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे

मैड्रिड रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट फ्लोरेंटिनो पेरेज को एक बार फिर चुनावों में जीत हासिल हुई। दो दशक के बाद हुए इन चुनावों के बाद अब वह साल 2030 तक के लिए रियल के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। 79 वर्षीय पेरेज को अब अगले चार साल तक क्लब संभालने की जिम्मेदारी मिल गयी है। वहीं क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरेज को कुल वोटों में से 65 फीसदी हासिल किये। उन्हें 21,741 सोसियोस (क्लब के सदस्य–मालिक) के वोट मिले। वहीं उनके विरोधी 37 वर्षीय रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को केवल 11,814 वोट ही मिले, जो कुल वोटों का 35 फीसदी था। रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने 100 फीसदी इन–पर्सन और मेल–इन वोटों की गिनती के बाद घोषणा की कि पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में कुल 33,555 सदस्यों ने इन–पर्सन और मेल–इन बैलेट के जरिए मतदान किया। दोबारा चुने जाने के बाद, पेरेज ने अपनी जीत को एक बहुत अच्छा परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हमने सभी पोलिंग स्टेशन पर जीत हासिल की है और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे बेहतरीन परिणाम दर्ज किया है। फ्लोरेंटिनो पेरेज की इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड में अब बड़े बदलाव की तैयारी है। उनकी वापसी का मतलब है कि सोमवार को जोस मोरिन्हो को क्लब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मोरिन्हो को टीम में वापस लाने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली क्लब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस का भुगतान करेगा।

ऑस्ट्रेलिया ओपन:सिंधू की निगाह खिताब पर, पुरुष वर्ग में आयुष करेंगे अगुवाई

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा। पुरुष एकल में विश्व के 20वें नंबर के खिलाड़ी और यहां छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे।

पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर

में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव डोड्डावारापू और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी भाग नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी हांगकांग के चान यिन चक और एनजी त्स यौ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3912

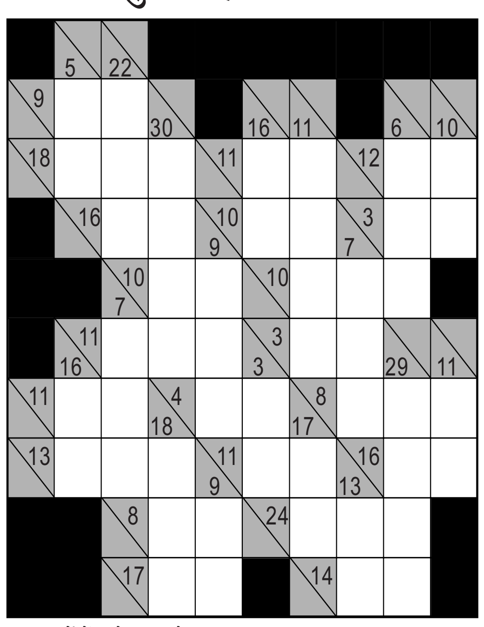

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

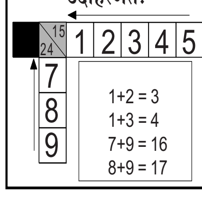

काकुरो -3911 का हल

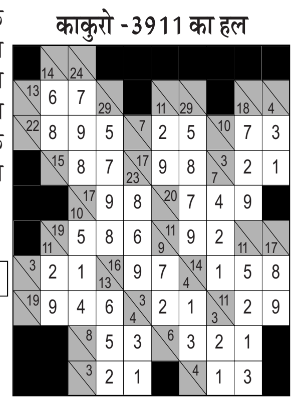

हंसी के फूव्वारें

रामू के घर से चिट्ठी आयी.

राजी-खुशी के समाचार के बाद लिखा था कि उसकी घरवाली ने लड़के को जन्म दिया है. इसी खुशी में रामू ने सबको मिठाई बांटी. फिर अगले दिन जब वह सामान बांधने लगा तो उसके मित्र ने पूछा- "रामू घर जा रहे हो ?"

"हां !"

फिर उदास होता हुआ बोला-"दो वर्ष हो गये घर की शक्ल देखे ! अब सोचा कि कुछ दिन के लिए हो ही आऊं."

□ □ □

टेलीफोन रखकर डाक्टर ने झपटकर अपना थैला उठाया और हड़बड़ाकर बाहर जाने लगा. डाक्टर की जवान बेटी अन्दर आ रही थी. उसने पिता को हड़बड़ी में देखकर पूछा-"इतनी जल्दी आप कहां जा रहे हैं, पिताजी ?"

"एक टेलीफोन आया था !" डाक्टर बोला -"इमरजेंसी कॉल है शायद ! एक आदमी कह रहा था-'मैं मरा जा रहा हूं, आप यहां फौरन आ जाएँ'."

इस पर डाक्टर की बेटी ने शरमाकर कहा-"तब वह आपका नहीं, मेरा टेलीफोन रहा होगा, पिताजी !"

□ □ □

जज -'मुजरिम, तुमने झूठ बोलने की कोशिश की है.'

मुजरिम -'माई-बाप, वकील के होते मुझे क्या जरूरत पड़ी है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3912

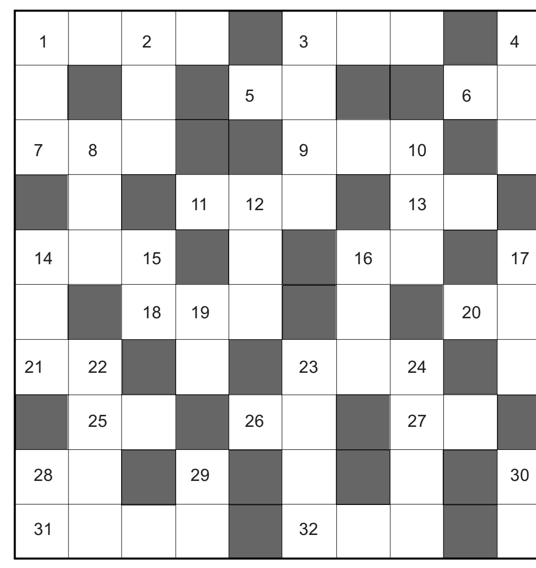

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी ?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है ?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका ?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म ?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम ?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3911

सूडोकु -3912

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3911 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 3912

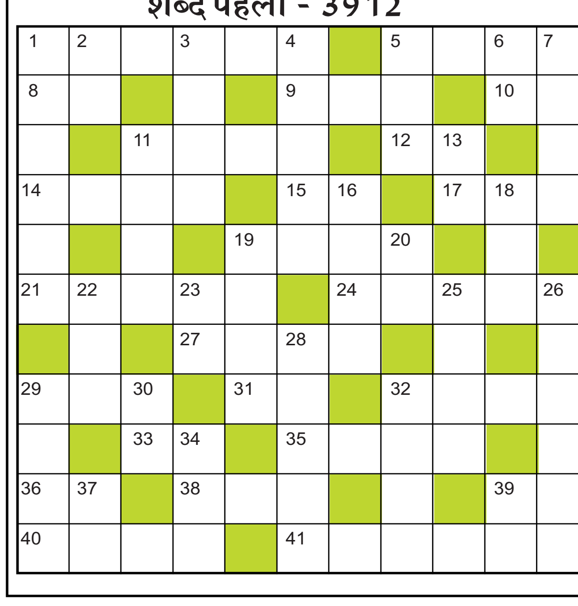

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणतः-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -3911 का हल

समझाएँ फालतू खर्च और सही खर्च का अंतर

वस्तुत: बच्चों को खुश रखने के नाम पर उनकी हर जिद पूरी करना, लाड़-प्यार के नाम पर फिजूलखर्ची को उनके व्यवहार में शामिल क रना व्यर्थ ही नहीं, खतरनाक भी है। बाल तुष्टिकरण में लगे कई पालकों को आगे चलकर बेलगाम होते बच्चों की हरकतें देखकर दुख भी होता है, लेकिन तब तक देर हो चुकी होती है।

इससे पहले कि आप ऐसी स्थिति के शिकार हों, अपनी संतानों को बचपन से ही किफायत का महत्व सिखाएँ, कुछ इस तरह :

आय-व्यय प्रबंधन :

बच्चा अपनी जेब खर्च का इस्तेमाल कब व कैसे करता है, इससे उसकी अभिरुचि का पता चलता है। बच्चों से कहें कि उन्हें कब व कितनी राशि मिली तथा उन्होंने उसका क्या किया, इसका लेखा-जोखा एक डायरी में रखें। आप समय-समय पर उनकी डायरी चेक कर फालतू खर्चों के प्रति उन्हें आगाह करते रहें। उन्हें सिखाएँ कि आने वाली जरूरतों जैसे मित्र के लिए बर्थडे गिफ्ट, पिकनिक या खेल का सामान खरीदने के लिए वे अपने खर्चों में कटौती कर पैसे बचा सकते हैं।

घरेलू कार्यों में हिस्सेदारी :

बच्चे थोड़े समझदार होने पर उन्हें घर के रोजमर्रा के कामों में हिस्सेदार बनाएँ। बाजार से सामान लाना, अच्छी-बुरी चीजों को परखना आदि बचपन से ही सिखाया जाए, तो बच्चे धन का महत्व बेहतर समझने लगते हैं। घर की कुल आय तथा कुल खर्चों की मोटी-मोटी जानकारी बच्चों को होनी ही चाहिए ताकि जवानी की दहलीज पर कदम रखते समय वे घर की आर्थिक स्थिति को भली-भाँति समझते हों।

दिखावे से दूरी :

बच्चों को समझाएँ कि ऊपरी दिखावा व्यर्थ है। आपकी अपनी जीवनशैली भी ऐसी होना चाहिए कि बच्चों में दिखावे के बजाए सादगी की प्रवत्ति पनपे।

संसाधनों का उचित उपयोग :

किफायत केवल पैसों पर ही नहीं, संसाधनों पर भी लागू होती है। बिजली, पानी, पेट्रोल, गैस आदि की बचत कर हम अपने पैसों की ही बचत नहीं करते, बल्कि विश्व के आर्थिक संसाधनों को सहेजने में भी अपना योगदान करते हैं। यह बात बच्चों को समझाएँ।

उन्हें बताएँ

- दो पल के दिखावे से कोई स्थायी इज्जत प्राप्त नहीं कर सकता। इज्जत मिलती है सच्ची लगन व मेहनत से किए गए उन कार्यों से, जो किसी व्यक्ति में गुणों को निखारकर हीरे सी चमक प्रदान करते हैं।
- गाँधी के गुणों के कारण उनकी लंगोटी गोरों की सारी चमक-दमक पर भारी पड़ी थी।
- दुनिया में बड़ी असमानताएँ हैं। आर्थिक असमानता आज दुनिया की सबसे बड़ी समस्या है। ऐसी स्थिति में किसी अमीर से दिखावे की होड़ के खतरनाक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।
- भोजन का सामान न फेंकने की सलाह के साथ उन्हें यह भी बताएँ कि दुनिया में कितने लोग भोजन की कमी के कारण रोज काल ग्रास बन जाते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

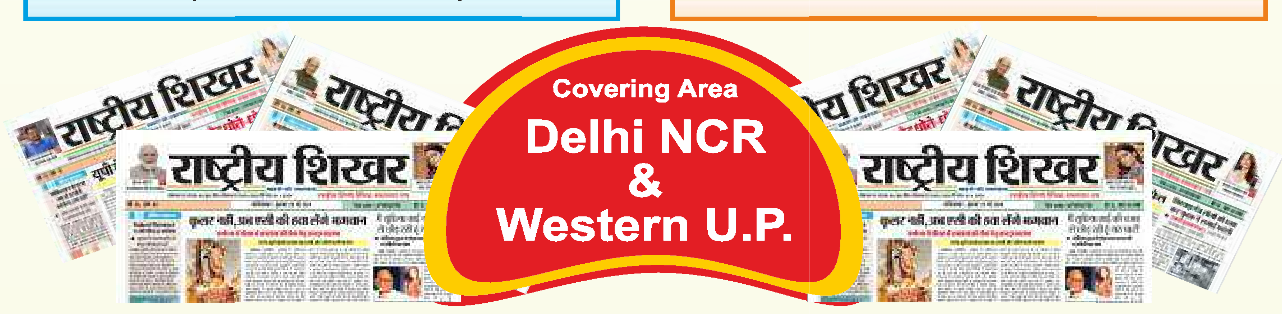

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर खुश होती हैं महिमा चौधरी

महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो 'ऑफ कैंपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर एरियाना चौधरी और मिका अब्दुल्ला के बीच तुलना को लेकर खूब चर्चा है। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैंपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

एरियाना ने नहीं शुरू की एक्टिंग

इस वायरल ट्रेंड पर हंसते हुए महिमा ने बताया कि उनके दोस्त, परिवार और फैंस लगातार उन्हें इस हॉलीवुड एक्टर के क्लिप और स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। महिमा चौधरी ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा, 'हां, मुझे पता है। मुझे वह (एरियाना) बहुत पसंद है, वह कमाल की है। दो अलग-अलग महाद्वीपों के लोगों में इतनी जबरदस्त समानता कैसे हो सकती है? यह समानता इतनी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई कि कुछ लोगों को तो यह भी लगने लगा कि एरियाना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उनसे अभी एक्टिंग नहीं शुरू की है।'

तुलना पर खुश हैं महिमा

महिमा ने कहा कि उन्हें ये तुलनाएं प्यारी लगती हैं। उन्होंने कहा 'किसी इतने प्यारे इंसान को देखना और यह सुनना कि आप दोनों एक जैसे दिखते हैं, बहुत अच्छा लगता है। मैं इस समानता से बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे वह बहुत प्यारी लगती है। अगर लोग कहते हैं कि मैं उसके जैसी दिखती हूं या एरियाना उसके जैसी दिखती है, तो मैं बहुत खुश होती हूं।

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है।

सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।' वाईआरएफ के प्रवक्ता ने आईएएनएस से कहा, 'हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।' यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

मिलाप जावेरी की रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' डेब्यू कर रहे हैं अमन इंद्र कुमार

पिछले साल 'एक दीवाने की दीवानियत' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने आज फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि 'तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।' इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्युजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

'जिगरा' में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर वेदांग रैना ने दी प्रतिक्रिया

वेदांग रैना जल्द ही इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंग। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के साथ अपनी फिल्म 'जिगरा' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी और इनके पीछे की सच्चाई से रूबरू कराया।

बढ़ा-चढ़ाकर बताई गईं बातें

हाल ही में कर्ली टेल्स के साथ बातचीत में वेदांग से उनकी पिछली फिल्म 'जिग्रा' की तैयारी के दौरान उनके मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों के बारे में पूछा गया। 'जिगरा' के एक सीन की तैयारी के दौरान खुद को आठ दिनों तक कमरे में बंद रखने की अफवाहों पर जवाब देते हुए वेदांग ने कहा कि ये दावे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं और सेट पर जो हुआ उससे बिल्कुल अलग हैं। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि एक दिन शूटिंग के दौरान एक बेहद चुनौतीपूर्ण दिन था। अपनी एक्टिंग प्रोसेस को समझने के दौरान वेदांग ने खुद को अपनी वैनिटी वैन में अलग कर लिया, बत्तियां बंद कर दीं। इस दौरान सीन के लिए जरूरी इमोशनली कंडीशन में पहुंचने के लिए कुछ समय के लिए किसी से बातचीत भी नहीं की। हालांकि, मेथड एक्टिंग के तहत आठ दिनों तक खुद को बंद रखने की अफवाहें सच नहीं थीं। मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूंगा।

बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं थी 'जिग्रा'

वासन बाला द्वारा निर्देशित 'जिगरा' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के भाई की भूमिका निभाई थी। 2024 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी।

12 जून को रिलीज होगी 'मैं वापस आऊंगा'

वेदांग अब इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित इस प्रेम कहानी में वेदांग के साथ दिलजीत दोसांझ, शरवरी और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसा महसूस कराएगी फिल्म 'भमरदो'

आज के समय में क्षेत्रीय सिनेमा लगातार नई और अलग कहानियों के जरिए दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। खास तौर पर गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी फिल्मों की संख्या बढ़ रही है, जो समाज को एक मजबूत संदेश भी देती हैं। अब इसी कड़ी में एक नई गुजराती फिल्म 'भमरदो' चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अभिनेता हेतल पुनीवाला ने कई दिलचस्प बातें साझा की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार प्रेरणादायक है। हेतल पुनीवाला ने कहा, ''फिल्म में मेरा किरदार 'भमरदो' नाम की प्रतियोगिता के बारे में बच्चों को समझाता है। वह बताता है कि अगर कोई बच्चा इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे स्कॉलरशिप मिल सकती है। एक बच्चा ऐसा है, जो शुरुआत में इस खेल के बारे में कुछ नहीं जानता। उसे यह तक नहीं पता होता कि 'भमरदो' कैसे खेला जाता है। इसके बाद कहानी उस बच्चे के संघर्ष और मेहनत को दिखाती है कि कैसे वह बच्चा आर्थिक परेशानियों के बावजूद हार नहीं मानता और लगातार सीखते हुए प्रतियोगिता तक पहुंचने की कोशिश करता है।'' अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हेतल ने कहा, 'शुरुआत में मुझे अंदाजा नहीं था कि यह रोल इतना भावुक होगा। फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं, जो दर्शकों को अंदर तक महसूस होंगे। इसमें वैसी ही भावनात्मक गहराई है, जैसी लोगों ने आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसी फिल्मों में महसूस की थी।''

हेतल ने कहा, ''जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी, तब मुझे पूरी कहानी के बारे में जानकारी नहीं थी। मुझे सिर्फ अपने किरदार के बारे में बताया गया था। इस वजह से मैं शुरुआत में थोड़े भ्रम में था कि आखिर फिल्म किस तरह की होगी। शूटिंग के दौरान भी मुझे कहानी का पूरा अंदाजा नहीं था। जब बाद में मैंने पूरी फिल्म देखी, तो मुझे महसूस हुआ कि यह बहुत अच्छी और दिल को छू लेने वाली फिल्म है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।'' अभिनेता ने एक और दिलचस्प बात साझा करते हुए बताया कि वह लगभग इस फिल्म का हिस्सा बनने से रह गए थे। दरअसल, उनकी डेट्स किसी दूसरी शूटिंग के साथ टकरा रही थीं। इसी वजह से वह फिल्म करने को लेकर असमंजस में थे। तभी मशहूर शख्सियत बाबूभाई थेबा ने उन्हें फोन किया और इस किरदार के बारे में विस्तार से समझाया। हेतल ने कहा, ''मैं बाबूभाई पर बहुत भरोसा करता हूं। जब उन्होंने किरदार की अहमियत और कहानी की भावना को समझाया, तो मैंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी।'' फिल्म की शूटिंग का अनुभव भी अभिनेता के लिए आसान नहीं रहा। हेतल ने कहा, ''शूटिंग बेहद कठिन परिस्थितियों में हुई। इसके बावजूद पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी और सभी ने मिलकर शूटिंग पूरी की।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी है

वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में आईं दिव्या दत्ता ने कहा- क्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा- सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली।

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज 'चिरैया' के लिए शहर आई दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

भीतर का शांत जागरण है

चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका।बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

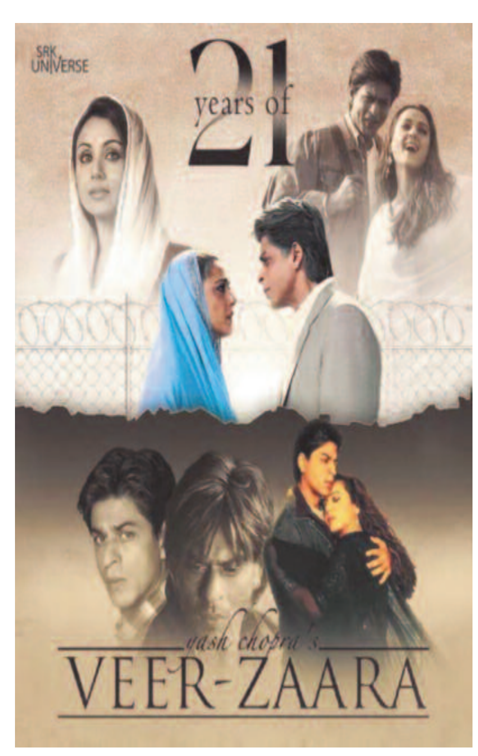

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर का बड़ा फैसला : भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवतः चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुईं। इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका के प्रतिबंधों की चीन ने की आलोचना, कहा- बदमाशी बंद करे वाशिंगटन

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने क्यूबा के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया है तथा सार्वजनिक रूप से क्यूबा के नेताओं को निशाना बनाया है। प्रवक्ता ने कहा, यह एक बार फिर अमेरिकी बदमाशी, उत्पीड़न और दबाव की नीति को उजागर करता है। चीन इसका दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षा है। क्यूबा को अस्थिर करने की कोशिशें आखिरकार विफल होंगी। चीन ने अमेरिका से क्यूबा पर लगाई गई नाकेबंदी और हर प्रकार के दबाव को तुरंत खत्म करने की अपील की। चीनी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन हमेशा क्यूबा की राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और बाहरी दखल के विरोध में उसके साथ खड़ा रहेगा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में क्यूबा के राष्ट्रपति डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी, सौतेले बेटे तथा क्यूबा के पूर्व नेता राउल कास्त्रो के बेटे और पोते को प्रतिबंध सूची में शामिल किया। मिगुएल डियाज-कैनेल ने इन प्रतिबंधों को क्यूबा के खिलाफ नाकेबंदी को और मजबूत करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि क्यूबा साम्राज्यवादी आक्रमण का डटकर मुकाबला करेगा। वहीं, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को 'आर्थिक आक्रमण' करार देते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका इसे बहाना बनाकर क्यूबा के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिश कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

लंदन /वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है। अब तक चिकनगुनिया मुख्यतः एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता था, जो गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। 2005-06 में वायरस में आनुवंशिक बदलाव की पहचान हुई जिसके बाद वायरस एडीज एल्बोपिक्टस के जरिए भी फैलने लगा। यह मच्छर ठंडे मौसम में भी जीवित रह सकता है। चिकनगुनिया एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, थकान और शरीर पर चकत्ते शामिल हैं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्या बोले श्रीराम कृष्णन अपने इस्तीफे पर : श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका : श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ाया फोकस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

कौन हैं श्रीराम कृष्णन, भारत से क्या लिंक : श्रीराम कृष्णन भारती मूल के ही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें एआई पॉलिसी के मुख्य रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एआई पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्य कर रहे थे। श्रीराम का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने चेन्नई के ही एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने ट्विटर, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, स्नैप जैसी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए काम किया। वह लंबे समय तक कैपिटल फर्म एंड्रीसन होरोविट्स के साथ भी जुड़े रहे। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में उनकी नियुक्ति का ऐलान किया। ट्रंप के करीबी लॉरा लूमर ने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप इमीग्रेशन के सुधार के नियम लागू कर रहे थे और दूसरी तरफ भारतीय मूल के शख्स को इतना बड़ा पद दे रहे थे। विवादों के बीच भी कृष्णन ने जमकर काम किया और एआई नीति के एक प्रभावशाली फ्रेमवर्क तैयार किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं तारीफ : एआई रेग्युलेशन से जुड़े सरकारी मसौदे पर काम करने वाले वह प्रमुख सलाहकार थे। वाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने उनकी कई बार तारीफ की और कहा कि वह वाइट हाउस के अनमोल रत्नों में शामिल हैं। श्रीराम कृष्णन ने अमेरिकी संसद के साथ एआई नीति पर काम करने की नींव रखी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनकी कई बार तारीफ कर चुके हैं। वहीं कृष्णन ट्रंप की तारीफ करते हुए कहते हैं कि बिना उनके नेतृत्व के एआई की दौड़ में अमेरिका अग्रणी ना हो पाता। रिपोर्ट्स में कहा जाता था कि कृष्णन अपनी टीम में भी काफी लोकप्रिय थे।

पाकिस्तान में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी संगठन पर प्रतिबंध के बाद बवाल, दर्जनों कार्यकर्ता गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थानीय संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद प्रशासन ने शनिवार को उसके दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को संगठन को गैरकानूनी घोषित किया था। प्रशासन द्वारा जुलाई में आम चुनाव कराने की घोषणा के बीच जेएएसी ने अपनी मांगों को लेकर 9 जून को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके बाद सरकार ने संगठन पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

बीते साल पीओके में विरोध प्रदर्शनों के पीछे था जेएएसी : पिछले वर्ष जेएएसी और उसके विरोधी समूहों के बीच हुए प्रदर्शनों और जवाबी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और अनेक घायल हुए थे। संगठन 38 सूत्रीय मांगपत्र को लागू करने की मांग कर रहा था। इनमें सस्ती दरों पर आटा और बिजली उपलब्ध कराना तथा क्षेत्रीय विधानसभा में कश्मीरियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करना शामिल था। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलाकोट में गोलीबारी की एक घटना में जेएएसी के एक सदस्य की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जेएएसी को अवैध घोषित किए जाने के बाद उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन की घोषणा के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय और मीरपुर इंटरमीडिएट बोर्ड ने 8 जून से शुरू होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। संभावित विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था।

उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था। ट्रप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना देने पर सहमत हुए हैं।

मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन एक कट्टरपंथी थे जो केवल युद्ध की भाषा समझते थे।

इस्त्राइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जानिए क्या बोले इस्त्राइली राजनयिक

येरूशलम, एजेंसी। भारत और इस्त्राइल के बीच सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने जा रही है। इस्त्राइल में जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और स्मारक स्थापित किए जाएंगे, जिसे दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक माना जा रहा है। इस्त्राइल के कॉन्सुल (राजनयिक) जनरल यानिव रेवाच ने बताया कि यह पहल भारत-इस्त्राइल संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने लेबनान से होने वाले हमलों के खिलाफ इस्त्राइल की सुरक्षा कार्रवाई का बचाव किया।

दोस्ती और प्रेरणा का प्रतीक होगी प्रतिमा : यानिव रेवाच के कहा कि यह परियोजना केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गुडविल प्रोजेक्ट है, जो दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भारत और इस्त्राइल के बीच दोस्ती और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी। पिछले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्त्राइल के दौरे के बाद, हमने तय किया कि हम यहां भारत में एक बड़े प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इस विचार ने असल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर को भी सूचित किया। वह तुरंत मुझसे मिलने के लिए मान गए। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुझसे कहा कि वह हमारे खूबसूरत प्रोजेक्ट का समर्थन करने और हमारी हर तरह से मदद करने को तैयार हैं जिसकी हमें जरूरत होगी। ऐतिहासिक जुड़ाव से मिली प्रेरणा इस्त्राइली राजनयिक ने बताया कि भारत का इतिहास उन्हें बेहद प्रेरणादायक लगा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण की कहानियों में कई समानताएं हैं। इसी सोच के तहत इस सांस्कृतिक परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसमें शिवाजी महाराज की मूर्ति इस्त्राइल में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, हम यह भी सोच रहे हैं कि क्या हम शिवाजी की किताब का हिब्रू में ट्रांसलेशन कर सकते हैं, इसका ट्रांसलेशन करें ताकि लोग उनकी स्क्रिप्ट के बारे में जान सकें।

कला और शिक्षा पर भी जोर : इस्त्राइल प्रशासन इस परियोजना को केवल प्रतिमा तक सीमित नहीं रखना चाहता। योजना के तहत एक श्रेष्ठ कलाकार द्वारा मूर्ति तैयार की जाएगी और इसे इस्त्राइल के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को समझाने के लिए उनकी पुस्तक का हिब्रू भाषा में अनुवाद करने की भी संभावना पर विचार किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और इस्त्राइल के बीच रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है। अब यह साझेदारी सांस्कृतिक स्तर पर भी मजबूत होती दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सांस्कृतिक प्रोजेक्ट दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंधों को और मजबूत करेंगे। इस्त्राइली राजनयिक ने कहा कि लेबनान के साथ उसका कोई सीधा विवाद नहीं है और वह वहां की सरकार और जनता के साथ शांति चाहता है।

पश्चिम एशिया तनावः अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण वार्ताएं कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने किया।

शीर्ष नेताओं से हुई अहम मुलाकातें : यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई चर्चा : तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

क्षेत्रीय संकट और कूटनीतिक कोशिशें : पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं। अप्रैल में पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता की मेजबानी की थी, हालांकि उस दौरान किसी ठोस समझौते पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ईरान बार-बार क्यों जा रहे पाकिस्तानी नेता : पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पिछले कुछ दिनों में तीन बार ईरान की राजधानी तेहरान का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ईरान का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से मिले एक नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान ने ही ईरान तक पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि यह पहल पुराने प्रस्तावों से अलग है और इसका मकसद मौजूदा तनाव को कम करना है। इस प्रस्ताव का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच चल रही शत्रुता को खत्म करना और बातचीत के लिए एक नया ढांचा तैयार करना है।

बीच पर बिछा दी गई डॉल्फिन और व्हेल की लाशें, 700 मछलियों की हत्या से लाल हो गया समंदर

कोपेनहेगन , एजेंसी। इंसानों की क्रूरता की ऐसी तस्वीर आपने शायद ही कभी देखी हो। मछलियों को पकड़कर जीवन यापन करना एक सामान्य बात है लेकिन व्हेल और डॉल्फिन जैसी सैकड़ों मछिलियों को जिंदा ही चाकू से चीर डालना और फिर उनको तड़फड़ाते देखकर जश्न मनाना बहुत ही दिल दहलाने वाला है। डेनमार्क के फारो द्वीप पर लोग हर साल एक बार इस तरह का क्रूर'उत्सव' मनाते हैं। इस आयोजन को 'द ग्रिंड' कहा जाता है। इस संहार को देखन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी पहुंचते हैं। इस बार 'द ग्रिंड' के दौरान लगभग 700 व्हेल और डाल्फिन को नाव से खींचकर किनारे की ओर लाया गया और फिर उथले समंदर में उन्हें चाकुओं से फाड़ डाला गया।

मछलियों की इस तरह की नृशंस हत्या से इतना खून निकला कि समंदर का पानी लाल हो गया। जानकारी के मुताबिक यह आयोजन 27 मई को किया गया था। इसके बाद समंदर के किनारे सैकड़ों मछलियां पड़ी दिखीं। फारो आईलैंड के ग्लोबल मरीन कंजर्वेशन सी शेफर्ड के डायरेक्टर वैलेंटीना क्रास्ट ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय सरकारों से इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 'द ग्रिंड' वाले दिन कम से कम 402 व्हेल और 300 डाल्फिन को मार डाला गया। पेटा की अध्यक्ष एलिसा एलेन ने कहा कि, ये जलीय जीव दर्द से कराहते हैं और छटपटाते हैं। व्हेल और डाल्फिन जैसी मछलियां अपने परिवार के साथ रहती हैं और उनके

पूरे परिवार को ही इस तरह निर्दयता से मार डाला डाता है। ये मछलियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं और ऐसे में उन्हें दर्द का अहसास भी ज्यादा होता है। एक एनीमल राइट ऐक्टिविस्ट ने कहा कि यह नृशंस कार्यक्रम 1000 साल से चला आ रहा है। फारो एक स्वतंत्र राज्य है और यहां के लोग इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। फारो के प्रशासन का भी कहना है कि इस उत्सव के दौरान पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। उनका कहना है कि उत्तर अटलांटिक में व्हेल और डाल्फिन की संख्या काफी अच्छी है।

ऐसे में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। जानकारी के मुताबिक तोर्शावन में 402 पायलट व्हेल और 4 बॉटलनोज डॉल्फिन मारी गई हैं। स्कालाबोटनुर में 168 व्लाइट साइडेड डॉल्फिन और व्हालविक में 132 वाइट साइडेड डॉल्फिन मारी गई हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा 1000 साल पुरानी वाइकिंग युग की है। ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह परंपरा आज के युग में जरूरी नहीं है। फारो द्वीप की संसद ने अपने पशु कल्याण कानून में भी बदलाव कर दिया है। डॉल्फिन को सुरक्षा देने वाला कानून भी हटा दिया गया है।

अमेरिका के ओहियो में फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, कई लोगों की मौत

टोलेडो (ओहायो), एजेंसी। अमेरिकी प्रांत ओहियो में एक सामुदायिक उत्सव के दौरान गोलीबारी की घटना में कई लोग मारे गए हैं। यह घटना रविवार दोपहर, टोलेडो में हुई। घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि संदिग्धों की तलाश बड़े पैमाने पर चल रही है। टोलेडो पुलिस को पहले जानकारी मिली थी कि ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में एक व्यक्ति को गोली मारी गई है। लेकिन पुलिस के मुताबिक जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां घायलों की संख्या काफी ज्यादा थी। पुलिस ने बताया कि कई घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि उसने यह जानकारी नहीं कि उनकी हालत कितनी गंभीर है या मरने वालों की संख्या कितनी है।

चश्मदीद की आंखों देखी : घटना के दौरान वहां मौजूद चश्मदीदों ने उस दौरान का हाल बयां किया है। ऐसे ही एक शख्स केविन बेरी हैं। बेरी ने बताया कि मैं बगल में अपने दोस्तों के साथ बैठा लाइव म्यूजिक सुन रहा था। इसी दौरान मैंने गोलियां चलने की आवाज सुनी। तमाम लोग जमीन पर पड़े थे। बेरी के मुताबिक जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो उनसे केवल 50 फीट की दूरी पर बंदूक उछाली जा रही थी। वहीं, फेस्टिवल को देखते हुए वहां तैनात पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोलीबारी का जवाब दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो : घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि जिम्मेदार लोगों की सक्रिय तलाश जारी है। सिटी काउंसिल सदस्य थेरेसा मॉरिस ने कहाकि शूटिंग में कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहाकि यह त्रासदी वास्तव में दोनों, निवासियों और उन लोगों पर जो हर साल इस त्योहार का आनंद लेने और देखने आते हैं, भारी पड़ रही है। ओहियो के गवर्नर माइक डिवाइन ने बयान में कहाकि मैं आज रात टोलेडो की स्थिति को लेकर गहरी चिंता में हूं। समर फेस्टिवल परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान होने चाहिए

ताकि वे बिना हिंसा के डर के साथ समय बिता सकें। इस बीच सोशल मीडिया पर घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें गोलीबारी की आवाज के बीच लोगों को भागते देखा जा सकता है। साथ ही इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी घायलों को मदद पहुंचाने में जुटे हैं।

फेस्टिवल के बीच आखिर कैसे मची अफरा-तफरी : टोलेडो पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार शाम उस समय हुई जब ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। यह दो दिवसीय आयोजन शहर के ऐतिहासिक इलाके में हर साल आयोजित किया जाता है, जिसमें लाइव म्यूजिक, खाने-पीने के स्टॉल, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा इलाका अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जमीन पर लेट गए और कई लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग चीखते और दौड़ते दिखाई दिए।

कितने लोग घायल हुए और क्या बोली पुलिस : टोलेडो पुलिस के डिप्टी चीफ जो हेफरनन ने बताया कि कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो लोगों की हालत बेहद गंभीर है। पुलिस का मानना है कि कम से कम दो लोग एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

फेस्टिवल में मौजूद केविन बेरी ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ लाइव म्यूजिक सुन रहे थे तभी अचानक कई गोलियों की आवाज आई। उन्होंने कहा कि लोग तुरंत जमीन पर लेट गए। कुछ देर बाद उन्होंने एक बंदूक को पास में गिरते देखा।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)